

सुविचार

"एक समय में एक काम करो,
और ऐसा करते समय अपनी
पूरी आत्मा उसमें डाल दो।"
- स्वामी विवेकानंद

हमारा समाचार

दैनिक

वर्ष - 12 अंक: 216

प्रातः कालीन

मूल्य: 3 रुपए

पृष्ठ 8

hamarasamachar02@gmail.com

आलाकमान का संदेश..साथ दो या कुर्सी छोड़ें

अरावली की लड़ाई में 'कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुस्त'.. अब गिरेगी गाज; 8 जिलों को जारी होगा नोटिस!

राजस्थान कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम में पीसीसी चीफ गोविंद सिंह डोटासरा की खरी-खरी

प्रदर्शन नहीं करने पर 8 जिला अध्यक्षों को नोटिस जारी कर मांगा जाएगा जवाब

हमारा समाचार

जयपुर। राजस्थान में अरावली पहाड़ी क्षेत्र के संरक्षण को लेकर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन जारी है, लेकिन पार्टी नेतृत्व ने इस आंदोलन के तरीकों और टीमवर्क पर चिंता जताई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा कि जिन 8 जिला कांग्रेस अध्यक्षों ने अब तक 'अरावली बचाओ' आंदोलन के तहत प्रदर्शन नहीं किया है, उन्हें पार्टी नोटिस जारी करेगी। डोटासरा ने यह बड़ा ऐलान राजस्थान कांग्रेस के स्थापना दिवस कार्यक्रम के दौरान किया। उन्होंने कहा कि अरावली संरक्षण का मुद्दा सिर्फ राजनीति नहीं बल्कि लोगों की भावनाओं और पर्यावरण की रक्षा से जुड़ा है। इसके बावजूद पार्टी के निर्देशों के बावजूद प्रदेश के कुछ जिलों में प्रदर्शन नहीं होने से वे नाराज हैं।

गोविंद सिंह डोटासरा ने स्पष्ट किया कि पार्टी राज्य भर में ऐकेशन-प्लान के तहत प्रदर्शन कर रही है, लेकिन अभी तक आठ जिलों में आंदोलन योजनाबद्ध तरीके से नहीं हुआ है। ऐसे में इन जिलाध्यक्षों के

कांग्रेस संगठन में मचा हड़कंप, डोटासरा बोले- 'माल मैं खाऊं, डंडा तुम खाओ' का दौर खत्म, अवैध खनन-भ्रष्टाचार और भाजपा सरकार पर तीखा हमला



खिलाफ आधिकारिक नोटिस जारी करने का निर्णय लिया गया है ताकि सभी जिला इकाइयां इस आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाएं। डोटासरा ने कहा कि वे रोजाना रफट लेकर सोते हैं, लेकिन इन आठ जिलों में आंदोलन के कार्यक्रम नहीं होने से संगठनात्मक ढांचे पर सवाल उठ रहे हैं। इस बयान के दौरान डोटासरा ने राज्य की भाजपा सरकार पर तीखे आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि अरावली संरक्षण और अवैध खनन को लेकर सरकार ईमानदारी से काम नहीं कर रही है, और न ही अवैध खनन के खिलाफ ठोस कार्रवाई दिखाई देती है। वे भाजपा के एक मंत्री, विधायक या अधिकारी को भी ईमानदारी से काम करते नहीं पाते हैं। डोटासरा ने साथ ही कहा कि ओबीसी आयोग को आवश्यक

संसाधन नहीं दिए गए हैं और 2022 में दिए आदेशों को लागू करने में देरी की गई है - यह सब मिलकर खुद सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठता है। दरअसल, अरावली बचाओ-जनजागरण अभियान के तहत प्रदेश में पैदल मार्च और प्रदर्शन लगातार होते रहे हैं। कुछ जिलों में प्रदर्शन के दौरान तनाव और पुलिस-संपर्क भी हुआ है, खासकर जब प्रदर्शनकारियों ने पुलिस द्वारा विरोधों पर लगाई संध के खिलाफ आवाज उठाई। कांग्रेस ने पिछले कुछ दिनों में प्रदर्शन को और व्यापक स्वरूप देने का प्रयास किया है, जिसमें पैदल मार्च, निशब्द विरोध और जिलास्तरीय कार्यक्रम शामिल रहे हैं। इन प्रदर्शनों में स्थानीय कार्यकर्ताओं के साथ-साथ युवा और पर्यावरण प्रेमी भी शामिल हुए हैं।

8 जिले इस मामले में गंभीर नहीं, नोटिस देकर मांगा जाएगा जवाब

डोटासरा ने कांग्रेस के स्थापना दिवस के समारोह के दौरान यह ऐलान करते हुए कहा कि अरावली संरक्षण आंदोलन केवल कांग्रेस पर या घोषणा-बाजी तक सीमित नहीं रह सकता। उन्होंने कहा कि अब तक आठ जिलों में वह सक्रियता हम नहीं देखते हैं जो इस मुद्दे की गंभीरता के अनुरूप है। इसलिए संबंधित जिला अध्यक्षों को नोटिस दिया जाएगा ताकि आंदोलन को मजबूत किया जा सके। डोटासरा ने कहा, जो कार्यकर्ता यहां पर आए हैं, उनको मैं सैल्यूट करता हूं। कांग्रेस के सिंबल पर जीतने वाला व्यक्ति कांग्रेस के कार्यक्रमों में उपस्थित रहे। नेता इतने आरामसंद हो गए हैं, टिकट लेनी है ले लेंगे, चुनाव लड़ लेंगे, फिर चले जाएंगे। डोटासरा के मुताबिक, कुछ जिलों में योजना के अनुरूप प्रदर्शन नहीं हुआ, इसलिए पार्टी संगठनात्मक ढांचे में सख्ती कर रही है। नोटिस का लक्ष्य इन जिलाध्यक्षों से स्पष्ट जवाब मांगना और उन्हें आंदोलन को जमीन पर क्रियान्वित करने के लिए प्रेरित करना है।

डोटासरा की दो टूक: 'माल मैं खा लूंगा-डंडा तुम खाओ', बंद करना होगा ये सिस्टम

डोटासरा ने कांग्रेस नेताओं को खरी-खरी सुनाई। डोटासरा ने कहा, 'माल मैं खा लूं, डंडा तुम खाओ' ये जितना चलना था चल गया, अब नहीं चलेगा। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जुली ने कहा कि देश के मजदूरों और गरीबों के लिए कांग्रेस मनरेगा लेकर आई थी, लेकिन भाजपा मनरेगा को खत्म करने का काम कर रही है। टीकाराम जुली ने कहा कि कांग्रेस 5 जनवरी से मनरेगा को लेकर आंदोलन करेगी। उन्होंने प्रदेश में महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों पर चिंता जताते हुए कहा कि बलात्कार जैसी घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि 'नहीं सहेगा राजस्थान' का नारा देने वाले लोग अब क्यों चुप हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि जो सरकार इस समय प्रदेश में चल रही है, वैसी सरकार पहले कभी नहीं रही। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की हालत बेहद खराब हो चुकी है और जनता परेशान है।

डोटासरा बोले- कांग्रेस करेगी अरावली बचाने के लिए संघर्ष, सड़क से संसद तक लड़ेंगे

गोविंद सिंह डोटासरा ने केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि आज देश में आजादी पर खतरा मंडरा रहा है और केंद्र में ऐसी सरकार है जो जनता के अधिकारों को दबा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि काम के अधिकार पर बुलडोजर चलाने का काम किया गया है। डोटासरा ने कहा कि ईडी और इनकम टैक्स जैसी संवैधानिक संस्थाओं पर शिकंजा कसा जा रहा है और इनका दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अरावली को बचाने के लिए संघर्ष करेगी और इस लड़ाई को सड़क से सदन तक लाया जाएगा। पीसीसी चीफ ने प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए कहा कि आज प्रदेश में सबसे ज्यादा भ्रष्टाचार है। सरकार बनने के बाद शुरूआती 7 दिन तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। उन्होंने आरोप लगाया कि अवैध खनन में सरकार और अधिकारियों का हिस्सा फिक्स हो चुका है।

बालाजी क्योर एंड केयर हॉस्पिटल प्रा. लि.
फिरलास्टरी अल्ट्रासुनिक 150 बेड मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
H-2025-1690



डॉ. पंकज कुमार बंसल

MBBS, DNB
Consultant Ophthalmologist

ओपीडी परामर्श: 10 AM to 4 PM

- कम्प्यूटराईज्ड नेत्र जांच
- मोतियाबिन्द का ऑपरेशन
- कालापानी की जाँच एवं ईलाज
- रेटिनापैथी की जाँच
- पर्दे की बीमारियों की जाँच
- बच्चों की आंखों की जांच
- डायबिटीज आई केयर

150 बेड्स फेसिलिटी फुली एयर कंडीशनर	40 बेड्स आईसीयू	9 बेड्स एनआईसीयू Infection Controlled Environment
मॉड्यूलर ओ.टी	एडवांस्ड केथ लेब	24x7 सीटी स्कैन
24x7 इमरजेंसी		

सभी प्रमुख टी.पी.ए. (TPA) व इंश्योरेंस द्वारा कैशलेस ईलाज के लिए मान्य!

Emergency services
+91-9216640633

Helpline Number
+91-9462134373

कनक विहार, सिरसी रोड, जयपुर

एक ही छत के नीचे प्रॉपर्टी से जुड़े सभी समाधान

हमारा समाचार



PROPERTY
EXP 2026

10 11 January

मनोहर बाग, हाथोज, जयपुर

स्पांसरशिप प्रेजेंटेशन 2026

• प्लॉट • फ्लैट • डुप्लेक्स • हाउसिंग प्रोजेक्ट

• कंस्ट्रक्शन एवं इंटीरियर समाधान

• निवेश के बेहतरीन अवसर

बिल्डर, कॉलोनाइज़र व व्यवसायियों के लिए सुनहरा मौका
स्पांसरशिप व स्टॉल बुकिंग प्रारंभ

कार्यक्रम स्थान:

मनोहर बाग मैट्रिज गार्डन, सिरसी लिंक रोड, हाथोज

तिथि: 10 व 11 जनवरी 2026 (शनिवार-रविवार)

समय: सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक

बुकिंग एवं जानकारी के लिए संपर्क करें

हमारा समाचार अखबार

प्रॉपर्टी एक्सपो आयोजन समिति

Mob.: 94611 62346, 9782486305

सीमित स्थान | पहले आओ - पहले पाओ



हमारा समाचार

टोंक । मर्यादा प्रभु श्रीराम के भव्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ पर हिन्दू युवा संगठन कम्पू द्वारा 31 दिसंबर 2025 को आयोजित तृतीय विशाल भव्य शोभायात्रा का निज आवास पर पहुंचकर भाजपा जिला महामंत्री डॉ. प्रभु बाडोलिया द्वारा पोस्टर का विमोचन किया गया । समिति द्वारा सभी सदस्यगणों ने माला पहनाकर भाजपा जिला महामंत्री बाडोलिया का स्वागत किया । इस दौरान अध्यक्ष सुभाष बागड़ी ने बताया कि यात्रा शंकरपुरा चोराहा कम्पू से मुख्य बजार होते हुए मोदी की चौकी पहुँचेंगी। इस दौरान हेमंत सामरवाल, मुकेश मंडावर, गोल्ड अल्टुदिया, राजू जमुदिया, महेंद्र बड़ोवाला, सत्तू मंडावर, शुभम टोंक, महेंद्र सांखला, रोहित बागड़ी एवं संजय गढ़वाल आदि मौजूद रहे।

प्रत्येक महत्वपूर्ण तिथि गौ-सेवा के साथ मनाए-स्नेहा बम्ब



हमारा समाचार

टोंक । अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा रविवार को 42 वीं मासिक गौ-सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर संघटन की जिलाध्यक्ष स्नेहा बम्ब ने कहा कि हमें हमारे जीवन की प्रत्येक महत्वपूर्ण तिथि को गौ-सेवा के साथ मनाने का प्रयास करना चाहिए। इस अवसर पर युवा समाज सेवी लव कुश अग्रवाल ने अपना जन्मदिन संघटन के तत्वावधान में गौ-सेवा के साथ गुड़ का केक काट कर मनाया । संघटन के जिलाध्यक्ष राजीव बंसल, युवा जिलाध्यक्ष शोलेन्द्र गर्ग एवं युवा शहर अध्यक्ष राजू सायवाड़ ने लव एवं कुश अग्रवाल को माला, साफा, दुपट्टे एवं बैज से अभिनन्दन किया। कार्यक्रम संयोजिका अलका भण्डारी एवं मंजू गड्डि ने सभी आगन्तुकों का अभिनन्दन किया । इस अवसर पर जिलाध्यक्ष राजीव बंसल, मुरारी लाल सिंघल, भगवान दास अजमेरा, अभ्यमल बम्ब, सुरेश विजयवर्गीय, रमेश गड्डी, सुशील जैन, भगवान भण्डारी, वृजमोहन गुप्ता, शोलेन्द्र गर्ग, राजू सायवाड़, सोमिल विजय, राजेश बम्ब, अमित सराफ , मनोज गुप्ता, लव अग्रवाल, कुश अग्रवाल, शरद कहालिया, बंटी सराफ , संयोजिका अलका भण्डारी, अवतिका जैन, उषा विजय, मीनाक्षी बम्ब, मंजू गड्डी, भावना जैन, सीमा अग्रवाल एवं निशि जैन आदि मौजूद थे। सभी ने गौ- माता की हर चारों ओर गुड़ से सेवा की । शहर अध्यक्ष भगवान भण्डारी ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया।



हमारा समाचार

टोंक । परम पूज्य गणाचार्य विराग सागर एवं पूज्य गुरुदेव आचार्य विनिश्चय सागर महाराज के शिष्य मुनि प्रज्ञान सागर एवं मुनि प्रसिद्ध सागर महाराज ने श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसियां में चल रहे शीतकालीन प्रवास के दौरान संयोजिका को संबोधित करते हुए कहा कि मुनि श्री ने अपने प्रेरणादायी प्रवचन में कहा कि नववर्ष केवल कैलेंडर बदलने का नहीं, बल्कि आत्मा के शुद्धिकरण एवं जीवन में नवीन संकल्प लेने का अवसर है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे संयम, संस्कार एवं स्वाध्याय को अपने जीवन का आधार बनाएं तथा मोबाइल तथा भौतिक आकर्षणों से ऊपर उठकर धर्म से जुड़ें। मुनि श्री ने कहा कि भगवान एवं गुरु के चरणों में मनाया गया नववर्ष ही सच्चे अर्थों में मंगलकारी होता है, क्योंकि वहीं से आत्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि युवा शक्ति धर्म से जुड़ जाएंगी तो समाज स्वतः ही सशक्त, संस्कारित एवं अनुशासित बनेगा। बच्चों को प्रतिदिन मंदिर भेजना चाहिए, क्योंकि यही बच्चे आगे चलकर जैन धर्म की ध्वजा को ऊँचा फहराएंगे। उन्होंने कहा कि प्रत्येक जैन परिवार के घर-घर में णमोकार महामंत्र की निरंतर गुंजायमान ध्वनि होती रहनी चाहिए, तभी संस्कार सुदृढ़ होंगे और धर्म की जड़ें मजबूत बनेंगी। गुरुभक्त पवन कंटान और कमल सराफ ने जानकारी देते हुए बताया कि 31 दिसंबर को सायंकाल णमोकार महामंत्र का सामूहिक पठन, भक्तामर स्तोत्र का वाचन एवं भजन संस्था का आयोजन किया जाएगा। वहीं नववर्ष के पावन अवसर पर श्री आदिनाथ दिगंबर जैन नसियां में णमोकार मंडल विधान का भव्य आयोजन संपन्न होगा, जिसमें बड़ी संख्या में धर्मावलंबियों की सहभागिता रहेगी। इस अवसर पर मुनि श्री की निःअंतराय आहार चर्या नेमीचंद बनेछा एवं प्रदीप नगर के यहां श्रद्धा एवं भक्ति भाव से संपन्न हुई। धर्मसभा में अनिल सराफ, विकास अग्रवाल, मुकेश बरवाल, ओम ककोड़, मनीष फागी, धर्मचंद दाखिया, अंकुर पाटनी, महावीर प्रसाद देवली, सुरेंद्र अजमेरा, ज्ञानचंद दाखिया सहित अनेक श्रावक-श्राविकाएं उपस्थित रहे।

जालौर में मंत्री बाबूलाल खराड़ी की धर्मपत्नी मणी देवी का दौरा जनजाति बच्चों की शिक्षा और भविष्य को लेकर जताई चिंता, सामाजिक संगठनों से की आगे आने की अपील

हमारा समाचार ।

जालौर। राजस्थान सरकार के कैबिनेट मंत्री बाबूलाल खराड़ी की धर्मपत्नी मणी देवी रविवार को जालौर जिले के दौरे पर रहीं। प्रवास के दौरान उन्होंने विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लिया और जनजाति समाज के उत्थान पर विचार साझा किए। खासतौर पर उन्होंने जनजाति समाज के बच्चों की शिक्षा, संस्कार और भविष्य को लेकर गहरी चिंता जताई। जालौर आगमन पर गृह रक्षा विभाग के कर्मचारियों की ओर से मणी देवी का स्वागत किया गया। इसके पश्चात उन्होंने जनजाति समाज



वसुधैव कुटुंबकम् के संदेश के साथ जयपुर में डेजल न्यू ईयर पार्टी, विदेशी टूरिज्म को मिलेगा बढ़ावा

हमारा समाचार

जयपुर। वसुधैव कुटुंबकम् के वैश्विक संदेश के साथ राजस्थान में विदेशी टूरिज्म को नई दिशा देने के उद्देश्य से डेजल न्यू ईयर पार्टी का भव्य आयोजन 31 दिसंबर 2025 को सिरसी रोड स्थित बालाजी सेवन हिल्स रिसोर्ट में किया जाएगा। इस आयोजन का उद्देश्य मनोरंजन के साथ-साथ राजस्थान की समृद्ध संस्कृति को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना और स्थानीय लोगों को प्रत्यक्ष आर्थिक लाभ दिलाना है। आयोजन बनना जी फिल्मस्, डेजल इवेंट और इवेंट श्री के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। आयोजकों ने बताया कि राजस्थान विदेशी पर्यटकों की पहली पसंद रहा है और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए यह कार्यक्रम तैयार किया गया है, जिससे स्थानीय छोटे-बड़े व्यापारियों,

कलाकारों और वेंडरों को रोजगार के अवसर मिल सकें। रूसी संस्कृति और राजस्थानी परंपरा का अनूठा संगम कार्यक्रम में रूसी सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ राजस्थानी लोकनृत्य, लोकगीत और पारंपरिक कलाओं की भव्य झलक देखने को मिलेगी। बॉलीवुड अदाकारा महक चहल, हॉलीवुड डी जे अम्माया, डीजे जायरो, बिग बॉस फेम हेमा शर्मा, जयपुर के गायक साहिब कोहली, एंकर शुभम खंडेलवाल सहित कई राजस्थानी फिल्मी कलाकार मंच साझा करेंगे। फैशन शो, फिल्म साइनिंग और विशेष आकर्षण इस भव्य आयोजन में विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलक दर्शाने वाला फैशन शो भी आयोजित होगा। चयनित उत्कृष्ट कपल को हेलीकॉप्टर राइड, दुबई फोटो शूट और कई आकर्षक गिफ्ट प्रदान किए जाएंगे। राजस्थान की संस्कृति को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए एक

फिल्म मूवी साइनिंग भी कार्यक्रम का हिस्सा होगी। युवाओं को संस्कृति से जोड़ने का प्रयास डेजल इवेंट की ब्रांड एंबेसडर यश्वी शर्मा सहित आयोजक गजराज सिंह नाथावत, अनिल घुसर, दीप्ती चौधरी सेनी ने बताया कि यह आयोजन युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने और राजस्थान की संस्कृति के प्रति गर्व की भावना पैदा करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। उनका कहना है कि विदेशी पर्यटकों को गुलाबी नगरी जयपुर की ओर आकर्षित कर सरकार के साथ-साथ स्थानीय समाज को भी आर्थिक लाभ दिलाना इस कार्यक्रम का प्रमुख लक्ष्य है। कार्यक्रम की तमनाकी व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी कोमल, मन्ना, आकाश जोशी, रीना और सन्नु रावड़ी संभालेंगे। साउंड और लाइटिंग का विशेष आकर्षण इस आयोजन की भव्यता को और बढ़ाएगा।

आज की दुनिया में जेन ऑस्टिन की स्थायी प्रासंगिकता पर हुई चर्चा

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर के अशोक क्लब में आयोजित एक रोचक साहित्यिक पैनल चर्चा में प्रसिद्ध लेखिका जेन ऑस्टिन के 250 वर्ष पूरे होने पर उनकी विरासत को याद किया गया। ‘जेन ऑस्टिन एट 250: रिस्पेक्टिंग ऑन हर एंड्यूरिंग लिगेसी’ विषय पर आयोजित इस संवाद में ऑस्टिन की आज के समय में बनी हुई प्रासंगिकता और समाज को लेकर उनकी तीखी समझ पर चर्चा की गई। इस सत्र में प्रो. सुधा राय मुख्य वक्ता और संचालक रहीं। उनके साथ प्रो. अंशु शर्मा, प्रो. नरेंद्र कुमार और प्रो. प्रीति अग्रवाल भी शामिल हुए, जिन्होंने अलग-अलग संस्कृतियों और पौद्धियों में जेन ऑस्टिन की साहित्यिक विरासत पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का आयोजन प्रभा खेतान फाउंडेशन की ‘सहयोग’ पहल के तहत किया गया। चर्चा के दौरान ऑस्टिन को एक ऐसी लेखिका के रूप में याद किया जानका लेखन तर्क और विवेक से भरपूर था। उनके द्वारा लिखी कहानियां महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी की सच्चाइयों से गहराई से जुड़ी थीं। इस दौरान इस बात पर प्रकाश डाला गया कि ऑस्टिन ने खुद भी कभी भी सामान्य जिंदगी नहीं जी थी, यह एक ऐसी सच्चाई थी जिसने उनके युवा, असहज किरदारों को गढ़ने में अहम भूमिका निभाई। ऐसे किरदार जिन्हें उनकी अपनी अंदरूनी दुनिया का आईना माना जाता है। पैनलिस्ट्स ने इस बात पर चर्चा की कि कैसे जेन ऑस्टिन के लिए उनका परिवार और निजी अनुभव ही लेखन



के सबसे बड़े स्रोत थे, जिनसे उनकी कहानियों में सच्चाई और भावनात्मक गहराई आई। बातचीत में यह भी चर्चा हुई कि उनके साहित्य का प्रभाव पूरी दुनिया में फैला हुआ है और कई भाषाओं में अनुवाद होने के कारण वे आज भी प्रासंगिक बनी हुई हैं। पैनल ने इस सवाल पर भी बात की कि जेन ऑस्टिन आज के समय में भी क्यों महत्वपूर्ण हैं। समाज को देखने की उनकी गहरी समझ, नैतिक स्पष्टता और महिलाओं की स्वतंत्रता व भूमिका को लेकर उनका दृष्टिकोण उनकी आवाज को आज भी उतना ही प्रभावशाली बनाता है, जितना 250 साल पहले था। इस दौरान पैनल में आगे यह भी वार्ता की गई कि जेन ऑस्टिन के उपन्यासों को किस तरह पढ़ें

पर रूपांतरित किया गया है। इसमें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी प्रसिद्ध फिल्मों के साथ-साथ बॉलीवुड की कहानियों पर पड़े उनके प्रभाव को भी रेखांकित किया गया। सत्र के बीच कुछ चर्चित फिल्म रूपांतरणों के छोटे-छोटे क्लिप दिखाए गए, जिनमें प्राइड एंड प्रेजुडिस जैसी क्लासिक रचनाओं के उदाहरण शामिल थे। इससे यह स्पष्ट हुआ कि उनका साहित्य आज भी सिनेमा के माध्यम से जीवित और प्रासंगिक बना हुआ है। चर्चा का समापन श्रोताओं के साथ प्रश्न-उत्तर राउंड के साथ हुआ। इससे पूर्व, स्वागत संबोधन तुषारिका सिंह ने दिया और सेशन का समापन अजय सिंघा द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

जीवन में कभी हार ना माने विधार्थी, सफलता हर हाल में कदम चुमेगी :- बिश्नोई संकल्प कैरियर संस्थान में विजयोत्सव 2025 समारोह का आयोजन, नीट चयनित अर्थार्थियों का हुआ सम्मान

हमारा समाचार

पावटा। पुतली रोड़ स्थित संकल्प कैरियर संस्थान में विजयोत्सव 2025 समारोह का आयोजन रविवार को बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ जिला पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार बिश्नोई के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में नीट चयनित इशिता गोयल, नितिन यादव, साहित्य यादव, तमना यादव, नीशू प्रजापत, तन्तु शर्मा व रिया लखेरा को संस्थान की ओर से मुख्य अतिथि बिश्नोई के कर कमलों द्वारा प्रतीक चिन्ह के साथ- साथ टैब व स्ट्रेथेक्सोप भेंटकर स्वागत व अभिनंदन किया गया। साथ ही उक्त अर्थार्थियों के अभिभावकों का भी सम्मान हुआ। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुये एसपी बिश्नोई ने कहा कि जीवन में विधार्थियों को कभी हार नहीं माननी चाहिये। कई बार कुछ प्रयासों में विफल रहने पर विधार्थी निराश हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में उन्हें दुःखी मेहनत करनी चाहिये, क्योंकि लगातार प्रयास करते रहने पर सफलता हर हाल में कदम चुमेगी है। इसके लिये ईमानदारीपूर्वक धैर्य रखते हुये कड़ी मेहनत व समर्पण की भी आवश्यकता है। संस्थान के निदेशक डॉ. सुरेश चंद यादव ने प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुये कहा कि जब आप मेडीकल शिक्षा के लिये चयनित होते



हैं, तब केवल एक डॉक्टर ही नहीं बल्कि समाज में मानव सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण स्थापित करते हैं। तीन वर्ष पूर्व शिक्षाविद् रामनिवास यादव की प्रेरणा से शुरू किये गये इस संस्थान की सफरता ने सुखद परिणाम दिये हैं। यहां के विधार्थियों ने अपनी कड़ी मेहनत से सफलता के जो किर्तिमान स्थापित किये हैं, वो बड़े शहरों से भी दस गुणा ज्यादा हैं। विधार्थी बड़े शहरों की

बजाय कोटपुतली में ही नीट- जेईई की अच्छी तैयारी कर रहे हैं। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना से हुई। विधार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सभी अतिथियों का संस्थान की ओर से माला व साफा पहनाकर स्वागत किया गया। अध्यक्षता समाजसेवी शिम्भूदयाल यादव ने की। जबकि संचालन प्रवक्ता रामकरण यादव ने किया। इस दौरान सेवानिवृत्त



तहसीलदार रामनिवास यादव, डॉ. सतीश यादव, डॉ. बी एल यादव, गिरधारी लाल गुरूजी, लीलाराम एईएन, रामसिंह एक्सईएन, प्रो. सुरेश यादव, प्रो. जगमग गुर्जर, अन्तर्राष्ट्रीय कुश्ती कोच राजकुमार पहलवान, एसबीआई मैनेजर सुनील यादव, डॉ. जय भारत यादव, एसआई सुरेश यादव, डॉ. आर सी यादव, पूर्व एडीएम धूम्रल यादव, पूर्व गिरदावर रामनिवास यादव,

प्रकाश यादव, कैलाश चौधरी, रतिराम, राजेन्द्र यादव, सुरेन्द्र यादव, सुरेश बानसूर, राजकुमार प्राचार्य, सरपंच राजेन्द्र यादव, उमराव यादव, पार्षद मुकेश गोटवाल, पूर्व सरपंच पप्पुलाम, डॉ. कमलेश, श्यापाल यादव, पूर्व सरपंच राकेश मीणा, जगदीश सरपंच, राकेश शर्मा समेत बड़ी संख्या में विधार्थी, शिक्षाविद्, अभिभावकगण व स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

सम्पादकीय

“मानवता सुख शांति प्रेम का, अखिल विश्व में हो विस्तारस्वतंत्रता का हगन न होवे, रहे सुरक्षित जन अधिकार”

काशी-तमिल संगमम अतीत की सांस्कृतिक विरासत

भारत के सनातन सांस्कृतिक आत्मा को यदि किसी एक पवित्र मंच पर सजीव रूप में देखा जा सकता है, तो वह है काशी-तमिल संगमम। यह एक ऐसा अनूठा उत्सव है, जहां उत्तर और दक्षिण की संस्कृति, सभ्यताएं, भाषाएं और परंपराएं एक विराट भारतीय परिवार की तरह एक-दूसरे का आलिंगन करती हैं। संगमम के चौथे संस्करण के अवसर पर मैंने गहराई से यह अनुभव किया कि काशी और तमिलनाडु का यह संबंध केवल भौगोलिक या ऐतिहासिक नहीं, बल्कि हजारों वर्षों से बहती आध्यात्मिक सांस्कृतिक धारा का अविरल प्रवाह है। काशी अविनाशी है, अनादि काल से है। काशी को प्राचीन काल से भारतीय संस्कृति की राजधानी कहा जाता है। दूसरी ओर तमिलनाडु, जिसकी भाषा विश्व की प्राचीनतम जीवित भाषाओं में से एक है, भारत की सनातन परंपरा, साहित्य, संगीत और दर्शन का महान वाहक रहा है। काशी-तमिल संगमम इन दोनों सभ्यतागत स्तंभों के बीच के सेतु को पुनः सुदृढ़ करता है। उत्तर और दक्षिण के बीच यह सांस्कृतिक आदान-प्रदान कोई नया प्रसंग नहीं है। देवारम नालवर के भक्ति गीतों से लेकर काशी में गुंजते संत कबीर के भजनों तक साधना की भाषा एक ही रही है। वह है भक्ति, ज्ञान, मानवता की भाषा। काशी में तमिल संतों की उपस्थिति और दक्षिण भारत में काशी को ‘मोक्ष की नगरी’ के रूप में मान्यता, इस गहरे संबंध को प्रमाणित करती है। प्रधानमंत्री मोदी की दूरदर्शिता और एक भारत, श्रेष्ठ भारत के दृढ़ संकल्प से 2022 में यह कार्यक्रम शुरू हुआ। आज यह कार्यक्रम राष्ट्रीय एकता के एक प्रमुख प्रतीक के रूप में विकसित हुआ है। यहां गंगा की संस्कृति और कावेरी की परंपराएं एक-दूसरे से मिलकर भारत की सांस्कृतिक अखंडता को आगे बढ़ाती हैं। प्रधानमंत्री ने हाल में 'मन की बात' में इस उत्सव का उल्लेख करते हुए कहा था कि यह संगमम विश्व के प्राचीनतम नगरों में से एक काशी और विश्व की प्राचीनतम भाषाओं में से एक तमिल का संगम है। उन्होंने तमिल भाषा और संस्कृति को भारत का गौरव बताते हुए सभी से तमिल सीखने का आग्रह भी किया। यह आग्रह भारत की भाषाई विविधता को अपनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम है। काशी-तमिल संगमम के प्रत्येक संस्करण में तमिलनाडु के छात्र, अध्यापक, लेखक, मीडिया प्रोफेशनल्स, कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों के लोग, महिलाएं और आध्यात्मिक विद्वान काशी आते रहे हैं। इस दौरान वे काशी के मंदिरों, तमिल से संबंधित केंद्रों और अयोध्या एवं प्रयागराज जैसे नगरों से परिचित होते हैं। चौथे संस्करण ने संगमम की सीमा और महत्वाकांक्षा को बढ़ाया है। काशी-तमिल संगमम 4.0 में युवाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों के छात्रों को इस कार्यक्रम से जोड़ने का उद्देश्य भावी पीढ़ी में राष्ट्रीय एकता की चेतना को और गहराई देना है। संगमम के दौरान उत्तर प्रदेश के 300 विद्यार्थी तमिलनाडु पहुंचे हैं और विभिन्न संस्थानों में तमिल भाषा सीख रहे हैं। उन्हें तमिलनाडु की समृद्ध परंपराओं, त्योहारों और भारतीय परंपरा की एकता से भी परिचित कराया जाएगा। तमिलनाडु से भी 50 तमिल शिक्षक वाराणसी पहुंचे हैं और संगमम के दौरान 1,500 से अधिक छात्रों को तमिल सिखाने का प्रयास कर रहे हैं। तमिल की मधुर ध्वनि काशी में गुंजी, इससे अधिक गौरव की बात क्या हो सकती है? काशी-तमिल संगमम 4.0 की एक और विशिष्ट और प्रेरक पहल 'अगस्त्य अभियान' है। यह अभियान तमिलनाडु के तेनकाशी से काशी तक एक प्राचीन सभ्यतागत मार्ग को पुनर्स्थापित करता है। महर्षि अगस्त्य भारतीय सभ्यता के उन महान ऋषियों में से हैं, जिन्होंने उत्तर और दक्षिण के बीच सांस्कृतिक संवाद को सुदृढ़ किया। उन्हें तमिल भाषा और सिद्ध चिकित्सा का प्रवर्तक माना जाता है। वे तमिल संस्कृति को उत्तर भारत तक ले कर आए। अगस्त्य अभियान उनके उसी योगदान को स्मरण करते हुए उत्तर-दक्षिण के सांस्कृतिक संबंधों को पुनः रेखांकित करता है। काशी-तमिल संगमम 4.0 यह संकेत देता है कि भारत अपनी प्राचीन सभ्यतागत जड़ों को सहेजते हुए आत्मविश्वास के साथ भविष्य की ओर अग्रसर है। यह आयोजन हमें स्मरण कराता है कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में अतीत की स्मृतियाँ केवल विरासत नहीं, बल्कि वर्तमान को दिशा देने वाली प्रेरणा होती हैं। ऐसे मंचों के माध्यम से सांस्कृतिक संवाद, आंतरिक एकता और राष्ट्रीय चेतना को निरंतर सुदृढ़ किया जा रहा है। संगमम अतीत की सांस्कृतिक विरासत, वर्तमान की जीवंत सहभागिता और भविष्य के विकसित भारत जैसे राष्ट्रीय संकल्प, तीनों को एक सूत्र में पिरोता है। यह स्पष्ट करता है कि भारत का विकास केवल आर्थिक या तकनीकी प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि उसकी जड़ें सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सभ्यतागत चेतना में निहित हैं। काशी तमिल संगमम 4.0 ने यह स्पष्ट किया कि भारत सरकार सांस्कृतिक एकीकरण के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। इस आयोजन ने विभिन्न समुदायों को जोड़ा है। इसने यह पुनः स्थापित किया है कि भारत की सभ्यतागत शक्ति उसकी विविधता की एकता में निहित है। आज जब विश्व विविधताओं के बीच तनाव और संघर्षों से जूझ रहा है, तब भारत का विविधता को उत्सव के रूप में स्वीकार करना वैश्विक संदर्भ में भी प्रेरणास्पद बनकर उभरता है। महाकवि सुब्रमण्य भारती ने एक ऐसे भारत का सपना देखा था, जहां सिंधु तट पर तेलुगु गीत गाए जाएं और कावेरी की धरती के बच्चे गंगा के तट पर उत्सव मनाएं। उस स्वप्न ने काशी-तमिल संगमम के माध्यम से आज मूर्त रूप ले लिया है। इस संगमम से प्रेरणा लेकर हम कह सकते हैं- 'कावेरी की पुत्री, गंगा के तट पर गाती है, भक्ति की मधुर धारा में, अपनी धुन मिलाती है। गंगा का पुत्र भी, कावेरी के तट पर आता है, तमिल के मोटे स्वर्ण में, भारत का नाद सुनाता है।' काशी से शुरू हुआ यह कार्यक्रम, तमिल आध्यात्मिक विरासत की सबसे पवित्र जगहों में से एक रामेश्वरम में खत्म होगा। यही वह सेतु है, जो उत्तर और दक्षिण को जोड़ता है और भारत को एक परिवार होने की अनुभूति कराता है।

एआई : क्षमताओं से इतर विवेक पर करना होगा फोकस

जगमोद राय

अगर 2024 वह साल था, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) ने बोलना सीखा तो 2025 वह साल रहा, जब एआई के हाथ बढ़े और उसका दायरा एवं प्रभाव बढ़ा। यह वह वर्ष रहा, जब एआई निर्णायक रूप से डेमो और पायलट प्रोजेक्ट्स से आगे निकलकर वास्तविक क्रियान्वयन, स्वायत्तता और बड़े पैमाने पर उपयोग में उतरा। चर्चा एआई टूल्स के इस्तेमाल से आगे बढ़कर एआई एजेंट्स के निर्माण पर आ गई। जेनरेटिव एआई की जगह एजेंटिक एआई प्रमुख अवधारणा बन गई। एजेंटिक एआई ऐसे सिस्टम को कहते हैं, जो सिर्फ इंसानों को सलाह नहीं देते, बल्कि एंटरप्राइज साफ्टवेयर के भीतर बहु-चरणीय वर्कफ्लो को स्वयं अंजाम देते हैं। एजेंटिक ब्राउजर्स से लेकर ऑटोनॉमस कॉमर्स और वर्कफ्लो ऑटोमेशन तक, एआई एक सहायक से बढ़कर जूनियर सहयोगी की तरह व्यवहार करने लगा। वर्ष 2025 आत्ममथन का भी साल रहा।

कंपनियों ने दिखावटी प्रयोगों को छोड़कर ठोस और मापने योग्य रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट की मांग शुरू की। एआई को अपनाना अब अपवाद नहीं, बल्कि जरूरत बन गया। कोडिंग पहला ऐसा उपयोग क्षेत्र बना, जहां एआई का व्यापक पैमाने पर असर दिखा। क्लाउड, कर्सर और कोपायलट जैसे एआई टूल्स एंटरप्राइज स्तर पर 40 प्रतिशत से अधिक नया कोड तैयार करने लगे। इसके साथ ही साफ्टवेयर इंजीनियर की भूमिका भी बदलने लगी। अब वह सिर्फ कोड लिखने वाला नहीं, बल्कि मशीन श्रम का पर्यवेक्षक और सिस्टम आर्किटेक्ट बनता जा रहा है। सेमीकंडक्टर चिप बनाने वाली कंपनी एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग के शब्दों में कहें तो हम सॉफ्टवेयर एजेंट्स के लिए पचआर मैनेजर बन गए हैं। इस गुजरते साल पदों के पीछे एआई की भौतिक नींव भी तैयार हो रही थी। एटम्स फॉर एल्गोरिदम्स ऑडोलन के तहत बड़ी टेक कंपनियों ने गीगावाट-स्तरीय डाटा केंद्रों को ऊर्जा देने के लिए परमाणु ऊर्जा की ओर रुख किया। एआई ने सिर्फ सॉफ्टवेयर को नहीं बदला, बल्कि वैश्विक ऊर्जा अवसंरचना को भी नए सिरे से आकार देना शुरू कर दिया। इसी बीच चीन ने बिना शोर-शराबे के वर्ष 2025 में बढ़त बना ली। उसका फोकस एजीआई (आर्टिफिशियल जनरल इंटेलिजेंस) की समय-सीमाओं की घोषणा करने के बजाय अनुप्रयोगों,



ओपन-सोर्स नेटवर्क और ऊर्जा प्रचुरता पर रहा। एजीआई को मानव-स्तरीय एआई भी कहा जाता है। यह एक ऐसी कृत्रिम बुद्धिमत्ता है, जो लगभग सभी संज्ञातात्वक कार्यों में मानव क्षमताओं के बराबर या उनसे भी आगे निकल सकती है। ओपन-सोर्स का स्वामित्व एक बार फिर दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त साबित हुआ। बीत रहा वर्ष एआई के स्याह पहलुओं को भी उजागर कर गया। हम उनकी अनदेखी नहीं कर सकते। डीपफेक्स ने दुनिया भर में लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए

अपराध पर लगाम: एनआईए के डेटाबेस से सुरक्षा एजेंसियों को मिलेगी मदद

हरिशोम शर्मा

दिल्ली में आयोजित आतंकवाद रोधी सम्मेलन में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संगठित अपराध तंत्र का जो डाटाबेस जारी किया, वह समय की मांग के अनुरूप है। इस डाटाबेस में देश में सक्रिय आतंकी संगठनों और गैंगस्टरों का कच्चा-चिट्ठा है। इसमें गुम और बरामद हथियारों का भी विवरण है। इस इसलिए तैयार किया गया है, क्योंकि आतंकी संगठनों और माफिया सरीखे अपराधियों के निरोहों के बीच साठागांठ बढ़ती चली जा रही है। कई ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जिनसे यह इंगित हुआ कि आतंकियों को किसी न किसी स्तर पर अपराधियों का सहयोग मिला। आम तौर पर आतंकी अपनी गतिविधियों को अंजाम देने में तभी सफल हो पाते हैं, जब उन्हें स्थानीय स्तर पर किसी तरह की मदद मिलती है। यह किसी से छिपा नहीं कि अब आतंकी और गैंगस्टर हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी करने लगे हैं। सीमा पार से ऐसे हथियार आ रहे हैं, जो आतंकियों के साथ बड़े अपराधियों तक भी पहुंच रहे हैं। कुछ समय पहले ऐसे एक निरोह का भंडाफोड़ भी किया गया था, जो सीमा पार से आए हथियारों को अपराधियों तक पहुंचता था। एनआईए की ओर से तैयार उक डेटाबेस सभी राज्यों की पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों को उपलब्ध होगा। आशा की जा रही है कि इससे आतंकवाद और संगठित अपराध से मिलकर निपटने में सफलता मिलेगी, लेकिन उचित

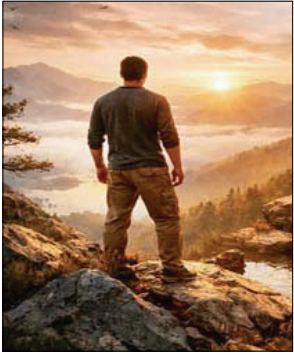


सकारात्मक परिणाम भी सामने आए हैं, लेकिन आतंकी खतरे को कम करने के लिए अभी बहुत कुछ किए जाने की जरूरत है, क्योंकि वे अपने तौर-तरीके बदलने के साथ आधुनिक तकनीक का भी इस्तेमाल कर रहे हैं। आवश्यक केवल यह नहीं कि आतंकी संगठनों और अपराधियों की टोह लेने का काम और कुशलता से किया जाए, बल्कि इसकी भी है कि अदालतें आतंकवाद के मामलों का निपटारा करने में शीघ्रता का परिचय दें। कई ऐसे मामले हैं, जिनमें आतंकियों को सजा सुनाने में जरूरत से ज्यादा देरी हुई। जब ऐसा होता है तो आतंकवाद के प्रति जोरो डॉलरेंस की नीति पर सवाल उठते हैं। आतंकवाद एक ऐसा खतरा है, जिस पर चौतरफा प्रहार किया जाना चाहिए।

संयम से दृढ़ होता है आत्मबल

दीपक सैनी

मैं जीवन को किसी तैयार निष्कर्ष की तरह नहीं देखता। यह मेरे लिए एक निरंतर प्रयोग है, जिसमें हर दिन स्वयं को समझने, परखने और सुधारने का अवसर छिपा होता है। जब समय एक पड़ाव पर ठहरता हुआ-सा महसूस होता है, तब मन स्वाभाविक रूप से पीछे भी देखता है और आगे भी। यही वह क्षण है, जब मनुष्य को बिना किसी भय के अपने भीतर झांकना चाहिए और यह स्वीकार करना चाहिए कि जो बीत गया, उसने हमें कुछ न कुछ अवश्य सिखाया है। मैंने अनुभव से जाना है कि भूलें जीवन का शत्रु नहीं होतीं। वे हमारी सबसे ईमानदार शिक्षक होती हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब हम उन्हें स्वीकार करने से इन्कार करते हैं। जो व्यक्ति अपनी गलती को समझ लेता है, वही उसे दोहराने से बच सकता है। बीते अनुभव अगर केवल पछतावे बन जाएं, तो वे बोझ बन जाते हैं, लेकिन अगर सीख बन जाएं, तो वही हमारी सबसे बड़ी ताकत बनते हैं। ऊर्जा को मैंं शोर और उतेजना में नहीं खोजता। असली ऊर्जा भीतर की स्पष्टता से जन्म लेती है-यह जानने से कि मुझे क्या करना है और क्यों करना है? जब उद्देश्य साफ होता है, तब कठिन परिश्रम भी बोझ नहीं लगता। मैंने देखा है कि अधीरता अक्सर हमें भटकता देती है, जबकि संयम हमें स्थिर रखता है। धीरे चलना कमजोरी नहीं है, यदि दिशा सही हो। उम्मीद भरे लिए कोई कल्पनालोक नहीं है। यह एक सचेत चुनौती है, जिसे हर सुबह दोहराना पड़ता है। छोटे, शांत और ईमानदार प्रयास समय के साथ बड़े बदलाव की नींव रखते हैं। मैं यह भी मानता हूँ कि सच्चा परिवर्तन बाहर नहीं, भीतर से शुरू होता है। दुनिया, व्यवस्था और लोग-इन सब पर



प्रश्न उठाना सरल है, पर स्वयं से प्रश्न करना कठिन। जब तक विचार और आचरण के बीच दूरी बनी रहती है, तब तक कोई सुधार टिकाऊ नहीं हो सकता। आत्ममथन एक कठिन प्रक्रिया है, पर वही सबसे विश्वसनीय मार्ग भी है। धैर्य ने मुझे यह सिखाया है कि जो सिखाया होता है, वह शांति से बनता है। क्रोध और अहंकार तात्कालिक संतोष दे सकते हैं, लेकिन वे भीतर रिकता छोड़ जाते हैं। संयम और अनुशासन धीरे-धीरे चरित्र का निर्माण करते हैं। जीवन में वास्तविक प्रगति न तो शोर करती है, न ही दिखावा चाहती है, वह भीतर से मजबूत बनाती है। आत्मसंयम को मैंने कभी बंधन नहीं माना। जब इच्छाएं मूल्यों से जुड़ जाती हैं, तब ऊर्जा व्यर्थ नहीं जाती। इच्छाओं का त्याग नहीं, बल्कि उनका परिष्कार जरूरी है। आकांक्षा वही सार्थक है, जो मनुष्य को ऊंचा उठाकर उसे उसके विवेक से जोड़े। अंततः, मैं यही अनुभव करता हूँ कि हर सुबह-हर दिन अपने साथ एक मौन प्रश्न लेकर आती है कि क्या आज मैं स्वयं को थोड़ा और बेहतर बना सकता हूँ? यदि यह प्रश्न हमारे कर्म में बदल जाए, तो किसी बड़े उद्घोष की जरूरत नहीं रहती। जब मनुष्य अपने भीतर परिवर्तन की जिम्मेदारी स्वीकार कर लेता है, तब वह अपने-आप रास्ता खोज लेता है, और जीवन एक नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने लगता है। जीवन हर दिन किया जाने वाला ईमानदार प्रयोग है। जो बीत गया, वह बोझ नहीं, अगर उससे सीख ली जाए। गलतियाँ हमें तोड़ने नहीं, बल्कि राराशेन आती हैं। असली ऊर्जा शोर में नहीं, उद्देश्य की स्पष्टता में जन्म लेती है। धैर्य दिशा देता है और संयम गति को स्थिर रखता है। हर सुबह खुद से बेहतर बनने का प्रण करना ही सच्ची आशा है।

जब विज्ञान चुप होता है और उपनिषद प्रश्न करता है- मन के पीछे कौन?

अनन्या मिश्रा

याद है जब हम बच्चे थे और मन में उठने वाले विचारों पर कोई नियंत्रण नहीं होता था? जब अचानक किसी दिन छोटी सी बात पर उदासी आ जाती थी और अगले ही क्षण बिना किसी स्पष्ट कारण के प्रसन्नता मन को भर देती थी? और जब हम भोलेपन में यह पूछ बैठते थे कि आखिर ये विचार हमारे भीतर आते कहाँ से हैं... तो बड़े लोग मुस्करा कर कह देते थे कि मन है झूझ ऐसा ही होता है, और हम उस उत्तर से संतुष्ट भी हो जाते थे क्योंकि तब हमारे पास प्रश्न की और गहराई तक ले जाने की भाषा नहीं थी। आज हमारे पास शब्द हैं, सिद्धांत हैं, मनोवैज्ञानिक स्कैन हैं, आँकड़े हैं, और सबसे बढ़कर हमारे पास वह आत्मविश्वास है जिसके साथ आधुनिक विज्ञान यह दावा करता है कि मनुष्य का मन कोई रहस्यमय सत्ता नहीं बल्कि मस्तिष्क में चलने वाली विद्युत-रासायनिक प्रक्रियाओं का परिणाम है। यह भी कि हम जो सोचते हैं, जो महसूस करते हैं और जो निर्णय लेते हैं, वह सब हमारे सचेत होने से पहले ही हमारे मस्तिष्क में घटित हो चुका होता है। यही विचारधारा आज न्यूरो-डिटरमिनिज्म के नाम से जानी जाती है, जो यह मानती है कि 'स्वतंत्र इच्छा' एक भ्रम है और मनुष्य वास्तव में अपने न्यूरोसंज्ञा द्वारा निर्धारित एक जैविक प्रणाली भर है, लेकिन इसी बिंदु पर इतिहास का एक अत्यंत प्राचीन ग्रंथ ऐसा प्रश्न पूछता है जिसे सुनकर आज का विज्ञान भी क्षण भर के लिए मौन हो जाता है। यह प्रश्न है - केनेषिर्त पवति प्रेषितं मनः? अर्थात् वह कौन है जिसकी प्रेरणा से मन विषयों की ओर दौड़ता है। केन उपनिषद में पूछा गया यह प्रश्न साधुना नहीं

दिमाग से आगे चेतना: एक प्रश्न जिसने विज्ञान को मौन कर दिया

है, क्योंकि यह मन को अंतिम सत्ता मानने से इनकार करता है, और यह मानने से भी इनकार करता है कि विचार अपने आप उत्पन्न हो जाते हैं, क्योंकि यह सीधे उस स्रोत की ओर संकेत करता है जो मन से भी पहले मौजूद है। आधुनिक न्यूरोसाइंस यह मानती है कि विचार मस्तिष्क में न्यूरोन्स के सक्रिय होने से उत्पन्न होते हैं। प्रसिद्ध न्यूरोसाइंटिस्ट बेंजामिन लिबेट के प्रयोगों के बाद यह धारणा और मजबूत हुई है कि हमारा मस्तिष्क किसी निर्णय को लेने से पहले ही उसकी तैयारी कर चुका होता है। इससे यह निष्कर्ष निकाला गया कि मनुष्य जिस स्वतंत्र इच्छा पर गर्व करता है, वह शायद केवल एक अनुभूति है, वास्तविकता नहीं। लेकिन केन उपनिषद इस निष्कर्ष को स्वीकार नहीं करता, क्योंकि वह यह नहीं पूछता कि विचार कैसे बनता है, बल्कि यह पूछता है कि विचार को जानने वाला कौन है, और यही अंतर इस प्रश्न को असाधारण बना देता है। इसमें चर्चा की गयी है कि



कान का भी कान है और मन का भी मन है, और यहाँ उपनिषद एक अत्यंत सूक्ष्म लेकिन निर्णायक बात कहता है कि मन स्वयं में चेतन नहीं है, बल्कि चेतना का एक उपकरण मात्र है। भारतीय दर्शन में मन को कभी भी अंतिम मूल नहीं माना गया, बल्कि उसे इंद्रियों और विचारों के बीच सेतु के रूप में देखा गया है। इसी प्रकार, चेतना को उस साक्षी के रूप में माना गया है जो मन के सभी उतार-चढ़ाव को देखता है, पर स्वयं उन उतार-चढ़ावों से प्रभावित नहीं होता। यहीं पर न्यूरो-डिटरमिनिज्म और उपनिषद में द्वंद्व होता है। जहाँ विज्ञान यह कहता है कि चेतना मस्तिष्क की उपज है, वहीं केन उपनिषद यह कहता है कि मस्तिष्क और मन दोनों चेतना में प्रकट होते हैं, और चेतना स्वयं किसी भीौतिक प्रक्रिया का परिणाम नहीं है। यह अंतर केवल दार्शनिक नहीं है, बल्कि इसके नैतिक और अस्तित्वगत परिणाम हैं, क्योंकि यदि चेतना केवल मस्तिष्क की गतिविधि है, तो मृत्यु के

साथ ही सब कुछ समाप्त हो जाता है, और नैतिकता, अर्थ, उत्तरदायित्व और आत्मातुभूति जैसे सभी मूल्य केवल जैविक संयोग बनकर रह जाते हैं। लेकिन जिसे हम चेतना कहते हैं, न तो आँख से देखी जा सकती है, न शब्दों में व्यक्त की जा सकती है, क्योंकि यह वह है जहाँ न दृष्टि पहुँचती है और न ही वाणी। इस प्रकार, चेतना कोई वस्तु नहीं है जिसे देखा या मापा जा सके, बल्कि वह वह आधार है जिसमें देखना और मापना संभव होता है। आज जब न्यूरोसाइंस चेतना को मस्तिष्क के भीतर खोजने का प्रयास कर रही है, तब शायद हमें यह समझना होगा कि चेतना मस्तिष्क के भीतर नहीं, बल्कि मस्तिष्क के अनुभव का आधार है, और यह दृष्टिकोण आधुनिक विज्ञान के लिए चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ अत्यंत आवश्यक भी है। इसका अर्थ यह नहीं कि हम विज्ञान को नकार दें या प्रयोग को असत्य मान लें। इसका अर्थ है कि भौतिक कारणों की व्याख्या करते-करते हम उस मौलिक प्रश्न को न भूल जाएँ कि अनुभव करने वाला कौन है। आवश्यक है कि मनुष्य अपनी सीमाओं को समझे, अपने स्रोत को पहचाने, और समझे कि आज की दुनिया को इन दोनों दृष्टियों के टकराव से नहीं, बल्कि उनके संवाद से अधिक लाभ हो सकता है। जब हम आज यह पूछते हैं कि मन किसके द्वारा प्रेरित होता है, तो यह केवल एक आध्यात्मिक प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि यह प्रश्न बन जाता है कि क्या हम अपने जीवन को केवल रासायनिक प्रतिक्रियाओं का परिणाम मानकर जीना चाहते हैं, या फिर उस चेतना को पहचानना चाहते हैं जो इन सभी प्रतिक्रियाओं को देख रही है। उत्तर खोजने के साथ हम उस प्रश्न के साथ जीना सीखें, जिसे पूछना ही स्वयं में एक आध्यात्मिक अभ्यास है।

मनोरंजन



धुरंधर की सफलता के बीच अक्षय खन्ना ने छोड़ी दृश्यम 3

बॉलीवुड के मंड्रो हुए अभिनेता अक्षय खन्ना इन दिनों बुध्दध को लेकर लगातार सुर्खियों में बने हुए हैं। हाल ही में रिलीज हुई 'स्पाई थ्रिलर फिल्म 'धुरंधर' में बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्डतोड़ कमाई कर न सिर्फ निर्माताओं को मालामाल किया, बल्कि अक्षय खन्ना को भी एक बार फिर इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों की कतार में खड़ा कर दिया। रणवीर सिंह जैसे सुपरस्टार्ड के बीच भी अक्षय का किरदार चर्चा का केंद्र बना हुआ है। फिल्म में उनके एंटी हीरोन से लेकर उनके अंदाज और स्क्रीन प्रेजेंस तक सोशल मीडिया पर छाया हुआ है।

दरअसल एक्स पर बॉलीवुड मशीन नाम के पेज ने दावा किया है कि अक्षय ने दृश्यम 3 छोड़ दी है जिसकी वजह है उनको मिमने वाला पैसा और अपने किरदार को लेकर मतभेद। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे रीपोर्टरस मुताबिक, 'धुरंधर' की जबरदस्त सफलता के बाद अक्षय खन्ना ने अपनी फीस में बढ़ोतरी की मांग की थी। इसके साथ ही उन्होंने अपने किरदार के लुक को लेकर भी कुछ अहम बदलाव चाहे। माना जा रहा है कि इन्हीं मांगों को लेकर निर्माता पक्ष के साथ बानीवती अटक गई और बात यहां तक पहुंच गई कि एक्टर ने फिल्म से दूरी बना ली।

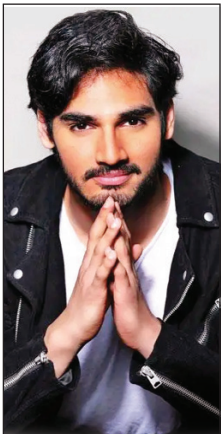
इस खबर के सामने आते ही सोशल मीडिया पर फैस की प्रतिक्रियाओं की बाढ़ आ गई। कई लोगों ने अक्षय खन्ना के फैसले को सही ठहराया। उनका कहना है कि जिस अभिनेता ने हालिया ब्लॉकबस्टर में अपनी दमदार मौजूदगी दर्ज कराई हो, उसकी वैल्यू बहुत स्वाभाविक है। वहीं कुछ फैस इस खबर से मायूस भी नजर आए, क्योंकि वे 'दृश्यम' फ्रेंचाइजी में अक्षय खन्ना को एक बार फिर रटना चाहते थे। कई यूजर्स ने यह भी लिखा कि अक्षय जैसे कलाकार को और ज्यादा मजबूत और चुनौतीपूर्ण किरदार मिलने चाहिए। दिलसपन बात यह है कि सूत्रों के अनुसार, बानीवती अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। मेकर्स और अक्षय खन्ना के बीच चर्चा पर भारी बाढ़ा जा रही है। ऐसे में यह कहना जल्दबाजी होगी कि अभिनेता वाकई 'दृश्यम 3' से बाहर हो चुके हैं या आने वाले दिनों में कोई बीच का रास्ता निकल आएगा।



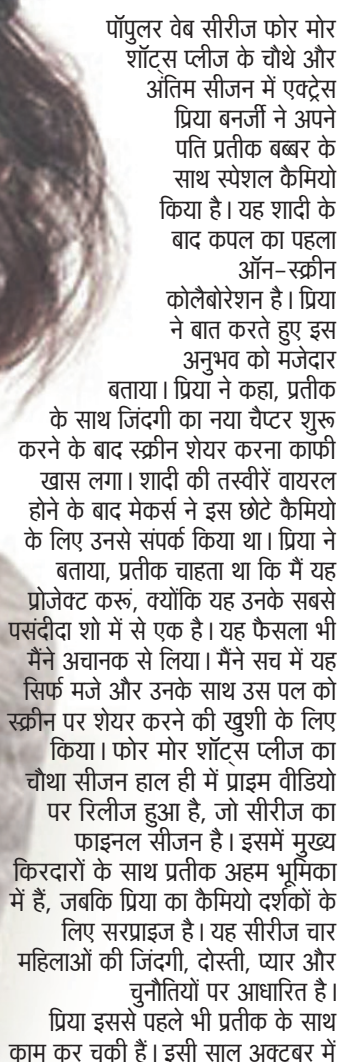
फिल्म बॉर्डर 2 के लिए अहान शेदी ने जमकर बहाया पसीना



फिल्म बॉर्डर 2 का टीजर रिलीज हो चुका है और इसक रिलीज के बाद से ही अहान शेठ्टी चर्चा के केंद्र में हैं। फिल्म के टीजर से लिए साफ है कि यह फिल्म सिर्फ एक सीकल नहीं, बल्कि एक नए दौर के एक्शन हीरो की दस्तक है। इसमें अहान शेठ्टी की मौजूदगी पहली ही झलक में असर डालती है। फिल्म के टीजर में उनकी लंबी कद-काठी, भारी आवाज और स्क्रीन पर दहशत से वो दर्शकों को प्रभावित करते हुए नजर आ रहे हैं, हालांकि ये सिर्फ लुक्स का नतीजा नहीं है। बॉर्डर 2 के लिए अहान ने महीनों तक सख्त अनुशासन में खुद को ढाला। उन्होंने फंक्शनल स्ट्रेथ ट्रेनिंग, खेलों के जरिए स्टैमिना बढ़ाया और आधुनिक रिक्रिरी तकनीकों को अपनाया। फिल्म में सैनिक का किरदार निभाने के लिए अहान ने कड़ी ट्रेनिंग का सहारा लिया है। फिल्म में अपने किरदार पर बात करते हुए अहान ने कहा, सेना की वही पहनना सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि जिम्मेदारी है। उनके लिए 'बॉर्डर 2' किसी करियर माइलस्टोन से ज्यादा, उन असली सैनिकों को सलाम है जो देश के लिए यह वंदी पहनते हैं। अहान की फिल्म के टीजर में दमदार स्क्रीन प्रेजेंस ने न सिर्फ दर्शकों का ध्यान खींचा है, बल्कि यह साफ कर दिया है कि थैंनीपुड की एक्शन थ्रिलर के लिए सपरस्टार अब आ चुके हैं।



प्रतीक बब्बर के साथ
स्क्रीन शेयर करना
मजेदार रहा



पॉपुलर वेब सीरीज फोर मोर
 शॉट्स प्लീज के चौथे और
 अंतिम सीजन में एक्ट्रेस
 प्रिया बर्नार्जी ने अपने
 पति प्रतीक बब्बर के
 साथ स्पेशल कैमियो
 किया है। यह शायदी के
 बाद कपल का पहला
 ऑन-स्क्रीन
 कोलैबोरेशन है। प्रिया
 ने बात करते हुए इस
 अनुभव को मजेदार
 बताया। प्रिया ने कहा, प्रतीक
 के साथ जिंदगी का नया चैप्टर शुरू
 करने के बाद स्क्रीन शेयर करना काफी
 खास लगा। शायदी की तस्वीरें वायरल
 होने के बाद मेक्स में इस छोटे कैमियो
 के लिए उनके संपर्क किया था। प्रिया
 ने बताया, प्रतीक चाहता था कि मैं यह
 प्रोजेक्ट करूँ, क्योंकि यह उनके सबसे
 पसंदीदा शो में से एक है। यह फैसला भी
 मैंने अचानक से लिया। मैंने सच में यह
 सिर्फ मजे और उनके साथ उस पल को
 स्क्रीन पर शेयर करने की खुशी के लिए
 किया। फोर मोर शॉट्स प्लीज का
 चौथा सीजन हाल ही में प्रोड्रम वीडियो
 पर रिलीज हुआ है, जो सीरीज का
 फाइनल सीजन है। इसमें मुख्य
 किर्दारों के साथ प्रतीक अहम भूमिका
 में हैं, जबकि प्रिया का कैमियो दरवाजों के
 लिए सप्रजाइन है। यह सीरीज चार
 महिलाओं की जिंदगी, दोस्ती, प्यार और
 चुनौतियों पर आधारित है।
 प्रिया इससे पहले भी प्रतीक के साथ
 काम कर चुकी हैं। इसी साल अक्टूबर में



प्रतीक और प्रिया ने एक फैशन इवेंट में शानदार सफेद आउटफिट में साथ रैप वॉक किया था। जब उनसे पूछा गया कि पत्नी के साथ या किसी दूसरी एक्ट्रेस के साथ रैप वॉक ज्यादा मनोरंजक लगता है, तो प्रतीक ने बताया था कि प्रिया के साथ रैप पर चलना उन्हें आत्मविश्वास के साथ खुशी भी देता है, जो किसी और के साथ नहीं मिलती। प्रिया और प्रतीक ने 14 फरवरी को बैलेंटाइन डे पर करीबी परिवार और दोस्तों की मौजूदगी में घर पर शादी की थी। कपल ने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की खूबसूरत तस्वीरें पोस्ट कर प्रशंसकों को जानकारी दी थी।



**धुरंधर में अपने भयानक
किरदार को लेकर
क्या सोचते हैं अर्जुन**

आदित्य धर की फिल्म बुरखरा बोंक्स ऑफिस पर लगातार शानदार प्रदर्शन कर रही है। यह इसे साल की सफ़ेद ख्यादा कमाई करने वाली फिल्मों में शामिल हो चुका है। रणवीर सिंह की अदकारवाली वाली इस फिल्म में अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, अक्षय खन्ना, आर. माधवन जैसे दमदार कलाकार नज़र आ रहे हैं। अपनी मजबूत कहानी, जबरदस्त अभिनय और बेहतरीन म्यूजिक की वजह से इसे पूरे देश में दर्शकों का प्यार मिल रहा है।

धुरंधर में अर्जुन रामपाल की भूमिका

फिल्म में अर्जुन रामपाल ने मेजर इकबाल का किरदार निभाया है, जो एक निर्दयी आईएसआई मास्टरमाइंड है। उनके इस रोल को लेकर काफी तारीफ हो रही है। ग्रेजिया इंडिया से बताती हैं कि अर्जुन रामपाल ने बताया कि इस तरह का किरदार निभाना उनके लिए भावनात्मक रूप से काफी मुश्किल था। वह शूटिंग खत्म होते ही इस रोल से बाहर आना चाहते थे।

किरदार से बाहर आना

चाहते थे अर्जुन रामपाल

अर्जुन रामपाल ने कहा मैं इस किरदार से जितनी जल्दी हो सके बाहर निकलना चाहता था। यह फिल्म कम्पना इसलिए भी जरूरी था क्योंकि यह एक अहम कम्पनी पर बनी है। किसी घटना को बाहर से देखना अलग बात है, लेकिन पढ़े के पीछे क्या हुआ, उसे देखना ज्यादा रोमांचक होता है। शूटिंग के दौरान मुझे बहुत बुरा लगा था कि क्योंकि मैं अपने देश से बहुत प्यार करता हूँ, लेकिन यहीं एक अभिनेता का काम होता है और उसे उस किरदार में पूरी तरह डूबना पड़ता है।



गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिला

बीते दिनों जब सेलिना जेटली भारत लौटी, तो उन्होंने कहा, मैंने खुद को, अपने सम्मान और स्वामिमान को बचाया था। साल 2010 में उनकी शादी हुई थी और उसके बाद से ही वह ऑस्ट्रेलिया में रह रही थीं, अब निजी जिंदगी के घुसे अनुभव के बाद वह मुंबई लौटी हैं। उन्होंने अपने पति पीटर हाग के खिलाफ घरेलू हिंसा का केस दर्ज करवाया है। इसके अलावा वह 2024 से ही काफी परेशानियों का सामना कर रही हैं।

आप सोशल मीडिया पर अपने बच्चों विस्टन, विराज, आर्थर के साथ जेनरल विडियो शेयर करती थीं। हालांकि अब लगता है कि कहानी उतनी अच्छी नहीं है। आपने हाल ही में माना था कि सालों से आपकी शादीधुवा ज़िंदगी में दरार थी। आप कितने समय से इस नाखुश शादी में जी रही हैं?

सोशल मीडिया पर जो नजर आता है वो असल ज़िंदगी का सिर्फ एक छोटा सा हिस्सा होता है। दुनिया को पता चलने से पहले ही मैं कई सालों से इस खराब शादी से ज़ुझ रही थी। बाकी महिलाओं से

की तरह ही मैंने भी अपने बच्चों की वजह से चीजों को सामान्य बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन निजी तौर पर मैं बहुत मुश्किल चीजों का सामना कर रही थी।

वया आपको इस बात का पछतावा होता है कि आप इनने साल तक इस बुरे रीति में क्यों थीं, और वया आपको लगता है कि आपको पहले ही भारत वापस आ जाना चाहिए था?

मुझे अपने परिवार को एक साथ रखने की किसी भी कोशिश का कोई पछतावा नहीं है। अपने माता-पिता को खोने के बाद, दूर जाने या खुद के लिए खड़े होना, जैसी चीजों के लिए भी मैं असुरक्षित महसूस करने लगी थी। मैं पहले ही अपने भावनात्मक रूप से सहारा देने वाले अपने करीबी लोगों को चुन चुकी थी, और मुझे सब कुछ खोने का डर रहता था, खासतौर पर अपनी फाइनंशियल आजादी और अपने बच्चे। मुझे अपने बच्चों को अपने एक घर देने था, जिस कन्वर्स में वह पढ़ें-बढ़ें थे, उसका सम्मान बरकरार रखना था। इसके साथ ही मुझे ये जिम्मेदारी भी महसूस कि उन्हें आनन से ऐसे माहौल से दूर ना किया जाए जहां वह जैसा फील करते थे, जिन में उनका स्कूल, रुटिन और उनकी पूरी दुनिया बसी हुई थी। मुझे खद क

सुरक्षित करने के बारे में तभी सोच सकती थी, जब मैं खुद को इन सब चीजों से निकालकर कर पाती। आपके भाई मेजर (सेवानिवृत्त) विष्णु कुमार जेटेली, सितंबर से अब्बू धाबी में हिरासत में हैं। क्या उन्हें वहां से निकालने की इस लड़ाई में आप अकेली रही हैं? इस मामले में क्या कुछ चल रहा है? आपने आखिरी बार उनसे कब बात की थी?

मैं पूरी तरह से अकेली नहीं हूँ, लेकिन मैं कानूनी और कूटनीतिक रास्ते को लेकर लगातार हर संभव कोशिश कर रही हूँ। मामला काफी संसेटिव है, और अभी भी चल रही है। और इस बारे में जानकारी को लेकर भी मुझे सहमत रहना होगा। मैं भाई के साथ मुझे संपर्क करने की पूरी आजादी न होना, मैंने लिए सबसे तकलीफ देने वाले पहलुओं में से एक है।

क्या आप भारत में एक नई जिंदगी की शुरुआत करने के लिए आते हैं?
मेरा भारत आना कोई विकल्प नहीं था, बल्कि मेरे लिए जरूरी था। मैं खुद को, अपने सम्मान और स्वाभिमान को बचाना चाहती थी। गिफ्ट के नाम पर मुझे तलाक का नोटिस मिलने के बाद, मुझे ये जानकर अहसास सदमा लगा कि शादी होने के बाद भी मेरी आजादी को छीने जाने की और कोशिश की

जा रही थीं। अपने होम ग्राउंड पर वापसी से मुझे मजबूती से खड़े होने, सिर ऊंचा करके लड़ाई लड़ने और अपनी आवाज को वापस पाने का मौका मिला है।

वया आप एक्टिंग में कमबैक का प्लान बना रही हैं? मेरा काम सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं है, यह एक्सप्रेशन का एक तरीका है। मेरा काम ही है जो मुझ इमोशनली, फाइनैशियली, साइकोलॉजिकली और दूसरे कई तरीकों से बचा रहा है। इसके लिए मैं शुक्रगुजार हूँ। यह मेरे काम और मेसकद को ज़िंदा रखता है।

आप पिछले कुछ साल से मुश्किल दौर से गुजर रही हैं। इन अनुभवों ने कैसे आपके अंदर छुपी ताकत और खुद की कीमत पहचानने जैसी चीजों के लिए समझ बढ़ा दी? कैसे बदला है आपका दृष्टिकोण पिछले कुछ साल ने मुझसे जो सब छीन लिया जो मैं बहादुर से दिखता था। मुझे यह देखने के लिए मजबूर किया कि मैं असल में कौन हूँ। मैंने सीखा है कि मैं अपने अंदर की ताकत आल और बनी रहती हूँ, जो दिखावा नहीं करती। आज मेरी अपनी खुद की वैल्यू है कि मैं अपने लिए, अपने बच्चों और परिवार की वैल्यूज के लिए अपने भी खड़ी रहूँ, जब बहुत वहां खड़ा होना मुश्किल और डराना हो।



सलमान खान
के साथ काम
करने पर बोलीं
चित्रांगदा सिंह

नेटपिलक्स पर रिलीज हुई रात अकेली है - द बंसल मर्डर्स सोशल मीडिया पर छा चुकी है। फिल्म में नवाजुद्दीन सिद्दीकी और चिन्तामणि सिंह की एक्टिंग को बहुत सराहा जा रहा है। अब अभिनेत्री ने फिल्म में अपने किरदार के साथ सलमान खान के साथ आने वाली फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर भी जानकारी शेयर की है। अपने किरदार और फिल्म पर बात करते हुए चिन्तामणि सिंह ने कहा कि फिल्म में उनके किरदार में कुछ है, टेंशन है, सस्पेंस है, और थ्रिल भी है। एक ही समय पर एक किरदार अलग-अलग इमोशंस से जुड़ा रहा है,



और मेरे लिए एक एक्ट्रेस होने के नाते, मुझे इस किरदार के जरिए अपनी कला को दिखाने का मौका मिला है। अपनी फिल्म को मिल रही तारीफ को लेकर अभिनेत्री ने कहा कि ये दर्शकों का प्यार और हमारी टीम की मेहनत है, जहाँ दर्शकों ने हर किरदार को प्यार दिया है। मैं सबसे ज्यादा श्रेय राइटर्स को दूंगी, क्योंकि उन्होंने एक-एक लाइन को ऐसा लिखा है कि कुछ बतलाव करने की जरूरत ही नहीं थी और फिल्म थ्रिलर थी, तो किरदार के साथ एक्सपेरिमेंट भी नहीं कर सकते हैं। राइटर्स ने एक-एक डायलॉग को बहुत अच्छे से लिखा है, जिससे कहानी को अच्छे से आगे बढ़ाया है। हाउसफुल 5 और रात अकेली है की शूटिंग करते वक़्त अपने इमोशन्स और किरदार पर पकड़ बनाने के सवाल पर अभिनेत्री ने कहा कि ये जो होता है, क्योंकि सेट पर जो वाइब होती है, वह आपका किरदार में ढलने में मदद करती है और इससे परफॉर्मेंस पर भी फर्क पड़ता है। मुझे बहुत मजा आ रहा था कि एक साथ दो अलग-अलग किरदार निभाने का मौका मिला। सलमान खान के साथ फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' में काम करने के अनुभव पर अभिनेत्री ने कहा, गलवान फिल्म सिर्फ फिल्म नहीं है, ये एक इमोशन है क्योंकि फिल्म में मसाला देखने को नहीं मिलेगा। फिल्म में कई ऐसे सीन्स हैं जो आपको इमोशनल कर देंगे। ये एक कॉमर्शियल फिल्म है और उम्मीद है कि इससे मेरा करियर और बेहतर होगा। उन्होंने ये भी बताया कि ये गलवान के साथ-साथ एक स्पोर्ट्स बायोपिक को भी प्रोड्यूस कर रही हैं, लेकिन फिल्म के नाम का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है।

टोंक में कांग्रेस ने निकाला अरावली बचाव पैदल मार्च



हमारा समाचार

टोंक। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय टोंक पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष हरिप्रसाद बैरवा ने पार्टी का ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर मनरेगा से महात्मा गांधी जी का नाम हटाए जाने के विरोध में तथा अरावली पर्वतमाला के संरक्षण हेतु अरावली बचाव पैदल मार्च जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय से घंटाघर चौराहा तक निकल गया । जिला कांग्रेस कमेटी टोंक में कांग्रेस स्थापना दिवस के अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेसजनों का सम्मान किया गया, जिसमें फूलचंद चावला, हरि किशन शर्मा, खलील दाद, अशोक कुमार गुप्ता, अजीज कुरैशी एवं विचार गोष्ठी आयोजित की गई । हरिप्रसाद बैरवा ने कहा कि कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज है, जो हर कमजोर, हर वंचित एवं हर मेहनतकश के साथ खड़ी है। उन्होंने कार्यकर्ता पदाधिकारी का आह्वान किया कि संकल्प ले कि नफरत, अन्याय एवं तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस एवं संविधान की रक्षा की लड़ाई तथा अधिक मजबूती से लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि मनरेगा से महात्मा गांधी जी का नाम हटाय़ा जाना एक सोची समझी रणनीति के तहत यह सब किया जा रहा है । उन्होंने कहा कि अरावली पर्वतमाला जो हमारा इतिहास वर्तमान एवं भविष्य है, उसकी हर कोशिस किसी भी कीमत पर ग़ुप्त नहीं होने देंगे । अरावली पर्वत श्रेणी हम सबके लिए जीवन दायिनी है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी अरावली को बचाने, पर्यावरण, प्रकृति एवं जल संरक्षण के प्रति पूरी तरह संकल्पबद्ध है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील कि अरावली के संरक्षण के लिए अपनी आवाज बुलंद करें। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रामबिलास चौधरी, नव-नियुक्त जिलाध्यक्ष सऊद सईदी, पूर्व विधायक कमल बैरवा, संगठन महासचिव दिनेश चौधसिया, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष हनुमान बेनीवाल, सेनादल अध्यक्ष अब्दुल खालिक, अल्पसंख्यक जिलाध्यक्ष बरकात हसीन, पर्यावरण जिला अध्यक्ष आकाश बैरवा, युसूफ यूनिवर्सल, शिवजी राम मीणा, मूलचंद बैरवा एवं इमतिyाज़ खान आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किया तथा कांग्रेस की विचारधारा पर अपना प्रकाश डाला तथा भाजपा की वर्तमान नीतिओं कि आलोचना की। जिला सोशल मीडिया प्रभारी जरार खान ने बताया कि इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सरपंच संघ हंसराज फागणा, फौजु राम मीणा, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा, मिर्जा इश्माद बेग, राहुल सैनी, संपत गुर्जर, देवकराण गुर्जर, युसूफ इजीनियर, एहसान बाबा, अजीज कुरैशी, सरपंच मौसमी, वासिद नूर, मोहम्मद कमर, रामलाल सेलीवाल, ओसाफ खान, आमिर फारूक, हरिकृष्ण शर्मा, अशोक गुप्ता, फूलचंद चावल, कमलेश चावला, शैलेश गुर्जर, रामदयाल गुनावत, राजीव मिश्रोट, रामावतार टोंक, रोहित जैन, नवीन बैरवा जावेद चिशती, भागचंद गुर्जर, जावेद खान, शकील मियां, मुजाहिद, मनमोहन गुर्जर, शबाना बी, सुरेंद्र रेगर, इश्माद खान, सत्यनारायण रेगर, मोतीलाल बैरवा, मोहम्मद मियां गुलजान, आबिद मेव, शाहिद पहलवान, राजेश चौधरी, अमित अग्रवाल, राजकुमार बैरवा आदि कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद थे।



हमारा समाचार

टोंक। श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर तेरापथियान पुरानी टोंक में रविवार प्रातः क्षीर सागर से जल लाकर भगवान चंद्र प्रभु का नित्य अभिषेक एवं वृहद शांतिधारा की गई। शांतिधारा से प्राप्त गांधोदक की श्रद्धालुओं ने मस्तक पर लगाकर भगवान चंद्रप्रभु से आशीर्वाद प्राप्त किया, तत्पश्चात् भगवान चंद्रप्रभु पाश्चनाथ एवं शांतिनाथ की नित्य नियम पूजा कर अर्घ्य समर्पित किए गए । इस अवसर पर आशा, मंजु, चमेली, संजु, चंद्रकांता, प्रेम देवी, सुमन, रेनु, कविता, प्रेमलता एवं पंच परमेष्ठी मंडल विधान की पूजा का आयोजन पंडित राजीव जैन शास्त्री के सानिध्य में हुआ, जिसमें सर्वप्रथम भगवान की वृहद शांति धारा की गई, तत्पश्चात मंडप रचना सकलौकरण मंगल कलश स्थापना आचार्य निमंत्रण के पश्चात विधान की पूजा प्रारंभ हुई, जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं चंद्र प्रकाश बज, पारस, शिखर, निर्मल, महावीर, देवराज, चेतन एवं कमल आदि ने भक्ति पूर्वक 148 अर्घ्य एवं श्रीफल समर्पित किये, संगीत की सुमधुर धुनों पर इंद्राणियों ने भगवान चंद्र प्रभु की भक्ति में नृत्य प्रस्तुत किए, उपस्थित श्रद्धालुओं ने भगवान चंद्र प्रभु के श्री चरणों में महाअर्घ्य समर्पित किया।

सोड़ा गांव के खिलाड़ियों ने राज्य स्तरीय चयन ट्रायल में शानदार प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन किया

हमारा समाचार



प्रतिযোগिता में अंतिमा चौधरी ने 36 किलोग्राम भार वर्ग में, वहीं अभिषेक सैनी ने 25 किलोग्राम भार वर्ग में अपनी बेहतरीन तकनीक एवं दमखम का परिचय देते हुए नेशनल प्रतियोगिता के लिए स्कालीकृत किया। दोनों खिलाड़ी 5 से 11 जनवरी तक पंजाब के लुधियाना में आयोजित होने वाले 69वें स्कूल जुड़ो नेशनल गेम्स में भाग लेंगे। इस जीत पर जिला जुड़ो संघ के सचिव राधेश्याम नावरीया, अध्यक्ष सत्यनारायण गुप्ता, नेशनल रेफरी प्रदीप शर्मा, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी प्रधान गुर्जर, महावीर यादव, हरिराम चौधरी, सत्यनारायण चौधरी, चन्मयाम शर्मा, राजाराम शर्मा, नीम सिंह गुर्जर, राकेश माधवाल, सत्यनारायण यादव, रामेश्वर चौधरी, गृहलाद गुर्जर, रामेश्वर चौधरी, सीमा थापाई, रामकिशोर बैरवा, डॉ. शैलेश सिंह, मिथुन माधवाल, उमराव, आदुष गुर्जर, हरि सैनी, बालवीर चौधरी, आर डी शर्मा, मोहन लाल गुर्जर, विष्णु दत्त गुर्जर, ललितला साहू, अशोक मीना, धनराज गुर्जर, शिवजी राम मीना, रमेश चौधरी, इमरान सहित ग्राह्यावासियों ने खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि निरंतर अभ्यास, अनुशासन एवं मेहनत के बल पर खिलाड़ियों ने यह सफलता प्राप्त की है। उन्होंने खिलाड़ियों के उज्ज्वल भविष्य और राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन की कामना की।

निःशुल्क मोतियाबिन्द जांच व लैंस प्रत्यारोपण शिविर हुआ आयोजित

140 रोगियों की हुई जांच हमारा समाचार

नीमकाथाना।श्रीमती चन्दा देवी मोदी राजकीय उच्च माध्यमिक अंग्रेजी माध्यम विद्यालय गुहाला,नीमकाथाना में रविवार को स्वर्गीय ग्यारसी लाल मोदी पुण्य स्मृति में मोदी परिवार की और से आयोजित किया गया। यह पंचम निःशुल्क मोतियाबिन्द जांच व नेत्र लैंस प्रत्यारोपण शिविर हुआ। जिसमें 140 रोगियों जांच की गई । सामान्य रोगियों को आंखों की दवा देकर चिकित्सा की गई। 47 रोगियों को लेंस प्रत्यारोपण हेतु शंकरा आई अस्पताल जयपुर रेफर किया गया।रेफर



कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज हैं :- कसाना

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का 141 वां स्थापना दिवस मनाया हमारा समाचार

कोटपूतली।ब्लॉक कांग्रेस कमेटी कोटपूतली व नारेहड़ा के संयुक्त तत्वोधान में रविवार को पूर्व संसदीय सचिव रामस्वरूप कसाना के मुख्य आतिथ्य में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का 141 वां स्थापना दिवस बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस मौके पर कसाना ने कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुये कहा कि हम उस ऐतिहासिक विरासत और उन महान बलिदानियों को नमन करते हैं। जिन्होंने भारत को आजादी दिलाई, संविधान की नींव रखी और लोकतंत्र, धर्म निरपेक्षता, सामाजिक न्याय व समानता के मूल्यों को मजबूत किया। कांग्रेस केवल एक राजनीतिक दल नहीं, भारत की आत्मा की आवाज हैं, जो हर कमजोर, हर वंचित और हर मेहनतकश के साथ खड़ी रही है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये ब्लॉक अध्यक्ष प्रकाश चंद सैनी ने कहा कि आज एक महान राजनीतिक दल कांग्रेस के स्थापना दिवस पर हम संकल्प लेते हैं कि नफरत, अन्याय और तानाशाही के खिलाफ सत्य, साहस व संविधान



की रक्षा की लड़ाई और अधिक मजबूती से लड़ेंगे। इस मौके पर कांग्रेस कार्यालय पर पार्टी का ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। संगठन महामंत्री वी.के. नवल ने बताया कि इस दौरान युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव भीम पटेल, पं. किशोरी लाल शर्मा, पूर्व पार्षद हनुमान सैनी, रमेश जिंदल, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष गोकुल चंद आर्य, कांग्रेस चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव डॉ. अभिलाष मीणा, महेश यादव, नारेहड़ा ब्लॉक

अध्यक्ष एड. सतीश निमोरिया, राजेंद्र सिंह मीणा, एड. पवन सैनी, के एम बंसल, कमलेश मीणा, ओमप्रकाश सैनी, बृजेश सैनी, उमेश आर्य, मुकेश मुक्कड़, बलकेश गुर्जर, इंद्राज गुर्जर, यासीन खान, जावेद कुरैशी, इशांद कुरैशी, रामोतार पंच, बिजेंद्र डोई, अनिल भरागड़, दिनेश शर्मा, राजकुमार शर्मा, राहुल वाल्मीक, दीव्यांशु सैनी, संजय गुर्जर, राजेश गुर्जर, सत्यनारायण शर्मा, लोकेश शर्मा समेत अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिला कोटपूतली-बहरोड़ यादव समाज कार्यकारिणी का शपथग्रहण कार्यक्रम हुआ आयोजित

रामनिवास यादव पूर्व गिरदावर जिला अध्यक्ष के साथ अनेक पदाधिकारीयों ने ली शपथ हमारा समाचार

पावटा । कस्बे स्थित श्री कृष्ण यादव छात्रावास भवन में रविवार को जिला कोटपूतली-बहरोड़ यादव समाज कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह आयोजित हुआ। मुख्य अतिथि हरसहाय यादव कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष तथा अध्यक्षता स्थानीय पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह यादव पूर्व गृहराज्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री ने की। मुख्य अतिथि ने रामनिवास यादव पूर्व गिरदावर को जिला अध्यक्ष की शपथ दिलाई। साथ ही करीब 98 सदस्यों को कार्यकारिणी में विभिन्न पदों की शपथ दिलाई। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुंडावर विधायक ललित यादव, बहरोड़ प्रधात प्रतिनिधि बस्ती राम यादव, बानसूर प्रधान सुभाष यादव, पूर्व प्रधान विराटनगर महादेव यादव, नेतराम संयुक्त रिजस्ट्रार आदि रहे। कार्यक्रम के दौरान समाज सुधार के विभिन्न विन्दुओं पर चर्चा हुई। जिसमें मुंडावर विधायक ललित यादव ने समाज के उपस्थित सभी सदस्यों को दहेज प्रथा बंद करने, डीजे बंद करने तथा मृत्यु भोज बंद की शपथ दिलाई। हरसहाय यादव प्रदेश अध्यक्ष ने समाज में आपसी समन्वय व तालमेल बनाने तथा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करने



की अपील की। पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह यादव ने शिक्षा पर जोर देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में आपसी विवादों को उसी स्तर पर चीपल पर ही समन्वय स्थापित करते निस्तारण की बात कही। उपस्थित अन्य अतिथियों ने भी जागरूकता अभियान चला कर समाज सुधार पर जोर दिया। इस दौरान समस्त यादव समाज के लोगों की उपस्थिति रही। पूर्व तहसीलदार रामनिवास यादव, गिरधारीलाल यादव गुरूजी, राजेन्द्र यादव ओडिटर, रामावतार तहसील अध्यक्ष, राजेश जिला पार्षद, डॉ एस एम, डॉ सतवीर, डॉ अमित भूपसेड़ा, प्रोफेसर कमलेश यादव, वार्डन प्रोफेसर सुरेश यादव,

वार्डन सुमन यादव, धर्मसिंह व्यवसायी, प्रवक्ता डॉ रामकरण यादव अवाड़ी, जगमालसिंह सरपंच, अशोक सरपंच, सचिन सरपंच, ओमप्रकाश तहसीलदार, खेल कोच राजकुमार, हरिराम पहलवान, एडवोकेट सुभाष, अरविंद, प्रकाश, एडवोकेट रामचंद्र, कोषाध्यक्ष लालाराम, रमेश, रामकुमार, उमराव कोच, रामकरण सरपंच, रामेश्वर सरपंच, कैलाश ठुकरान, बजरंग नेता, डॉ महेश, रामजीलाल, जगदीश सरपंच, अमीचंद डबड़ आदि सहित काफी संख्या में प्रबुद्धजनों व्यवसायियों जनप्रतिनिधियों महिलाओं की भागीदारी रही।

कांग्रेस स्थापना दिवस पर इंडारोहण, विचार गोष्ठी व जनजागरण रैली का आयोजन

अरावली बचाओ आंदोलन और मनरेगा निरस्तीकरण के विरोध में निकाला पैदल मार्च

हमारा समाचार।

जालोर । भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्थापना दिवस के अवसर पर रविवार को जिला कांग्रेस कमेटी जालौर द्वारा इंडारोहण, विचार गोष्ठी एवं ‘अरावली बचाओ जन्आंदोलन’ तथा ‘महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा)’ को निरस्त करने’ के विरोध में जनजागरण रैली व पैदल मार्च का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल के नेतृत्व में राजीव गांधी भवन, जालौर में किया गया।

जिला प्रवक्ता योगेंद्र सिंह कुम्पावत ने बताया कि रविवार सुबह कांग्रेस कार्यालय पर पार्टी का ध्वज फहराकर विचार गोष्ठी आयोजित की गई। विचार गोष्ठी में कांग्रेसजनों ने पार्टी के गौरवशाली इतिहास एवं देश के निर्माण में कांग्रेस द्वारा किए गए योगदान पर विस्तार से चर्चा की। दोपहर में समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा अरावली बचाओ जनआंदोलन एवं मनरेगा को कमजोर/निरस्त करने के केंद्र सरकार के प्रयासों के विरोध में जनजागरण रैली का आयोजन किया गया। पैदल मार्च राजीव गांधी भवन से प्रारंभ होकर हाँस्पिटल चौराहा, हरिदेव जोशी सर्किल होते हुए सभाी सरकार के विक्टड नारेबाजी करते हुए गांधी चौक, मुख्य बाजार पहुंचा। गांधी चौक पर महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर सभा आयोजित की गई।



अरावली प्रदेश की जीवनरेखा : रमिला मेघवाल

सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष रमिला मेघवाल ने कहा कि अरावली पर्वतमाला केवल राजस्थान की ऐतिहासिक धरोहर ही नहीं, बल्कि प्रदेश की जीवनरेखा है। यह पर्वतमाला रंगिस्तान के विस्तार को रोकने, धूलभरी आधियों से बचाव, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही यह प्रदेशवासियों की आस्था का केंद्र भी है, जहां अनेक प्राचीन देवालय स्थित हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की केंद्र व राज्य सरकारें सुनियोजित षड्यंत्र के तहत

अरावली पर्वतमाला को खनन माफियाओं के हवाले कर प्रदेश की पहचान और बहुमूल्य प्राकृतिक संपदा को नष्ट करने का कार्य कर रही हैं। कांग्रेस पार्टी अरावली को बचाने के लिए कृतसंकल्पित है और इसके लिए प्रदेशव्यापी जनजागरण अभियान व जन आंदोलन चलाया जाएगा।

मनरेगा को कमजोर करने का आरोप

जिलाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को निरस्त/कमजोर करने के लिए विधेयक लाया जाना अत्यंत चिंताजनक है। मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाने, रोजगार की

रोगियों बस द्वारा जयपुर पहुंचाया गया जहां सभी जांच अत्याधुनिक तकनीक व विषय विशेषज्ञों द्वारा की जावेगी। सर्जरी योग्य रोगियों का बिना टांके का आपरेशन किया जाएगा। मोतियाबिन्द वाले रोगियों को निःशुल्क चश्मा, भोजन,व रहने की निःशुल्क व्यवस्था दी जाएगी। सर्जरी के लिए चुने गए व्यक्तियों के लिए अस्पताल तक आने जाने की निःशुल्क परिवहन सुविधा रहेगी।समस्त जांचों के पश्चात आज लेंस प्रत्यारोपण किया जाएगा। लैंस प्रत्यारोपण के पश्चात एक दिन चिकित्सकों की देखरेख में रखा गया। समस्त दवाओं के साथ व निर्देशों सहित अगले दिन पुनः बस द्वारा गुहाला छोड़ा

जाएगा। मोदी परिवार से शंकर लाल मोदी,विनोद कुमार मोदी,हरि प्रसाद मोदी मनीष मोदी,आशीष मोदी,शकुन्तला गोयल मौजूद रहे जिनकी और से समस्त व्यवस्था निःशुल्क रही।स्काउट व गाइड ने अपनी सेवाएं दी। उक्त अवसर पर राज्य पुरस्कृत शिक्षक बसती लाल सैनी,प्रधानाचार्य हजारी लाल सैनी,रामगोपाल सैनी,किशोर कुमार सैनी,कैलाश चन्द पालीवाल, राजेन्द्र गुर्जर, हर लाल सैनी,सतीश सोनी,बाबू लाल चौहान पूर्व सरपंच, सुनीता चौहान सरपंच, रामप्रकाश कटारिया मौजूद रहे। मोदी परिवार द्वारा समस्त चिकित्सक टीम,विद्यालय स्टाफ, स्काउट व गाइड को सम्मानित किया।

भैरूजी महाराज के पोषबड़ा का आयोजन



हमारा समाचार

टोंक। पुरानी टोंक संघपुरा में में रविवार को पीपलू छतरी वाले भैरूजी महाराज के मोहल्लेवासियों द्वारा पोषबड़ा का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं द्वारा भैरूजी महाराज के पोष बड़ा का भोग लगाकर लोगों को पोष बड़ा की प्रसादी वितरित की गई। इस मौके पर पूर्व पार्षद कैलाश चावला, राजू भगत, बाबूलाल भगत, रमेश चावला, सुभाष चावला, सुरेंद्र चावला आदि भक्तगणों ने प्रसादी वितरण में सहयोग प्रदान किया।

रैगर समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन



हमारा समाचार

टोंक। अखिल भारतीय रैगर महासभा टोंक द्वारा रविवार को शास्त्री नगर स्थित अंबेडकर भवन परिसर में जिला स्तरीय षष्ठम प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में टोंक जिले के साथ ही जयपुर, केकड़ी, अजमेर एवं बूंदी आदि जिलों से समाज के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया। महासभा की ओर से जिले में शिक्षा के साथ ही खेलकूद व अन्य सामाजिक क्षेत्र में श्रेष्ठ कार्य करने वाले करीब 400 से अधिक प्रतिभाओं व 25 भामाशाहों को सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी, विशिष्ट अतिथि निवाई विधायक रामसहाय वर्मा रहे। वहीं अध्यक्षता सेवानिवृत्त आईएएस बीएल नवल ने की। समारोह में विशिष्ट अतिथि महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एस. के. मोहनपुरिया, राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष सीताराम मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव रामकिशोर रेगर, युवा प्रदेशाध्यक्ष भानू खोरवाल, नगर पालिका चैयरमैन सोनिया सोनी, बाबूलाल खटनावलिया, मदन लाल खोरवाल, मोहन लाल सांटीवाल, जयनारायण दुर्बकिया एवं कानाराम सांटीवाल रहे। रैगर महासभा के जिलाध्यक्ष शंकर लाल हाथीवाल ने बताया कि समारोह की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर दीप प्रज्ज्वलित व माल्यार्पण के साथ हुई। जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि जब तक नई पीढ़ी व युवा पढ़ाई नहीं करेंगे, तब तक हम सब राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक रूप से कमजोर रहेंगे। समाज के बालक-बालिकाओं को पढ़ाई करना चाहिए। इसके अलावा एक ही प्रकार के कार्य पर निर्भर नहीं होकर विभिन्न कार्यों मे भी ध्यान देना चाहिए, ।

संविधान के 75 वर्ष : आत्ममंथन और आत्मावलोकन का अवसर - अरुण कुमार

अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के 17वें राष्ट्रीय अधिवेशन का मध्य समापन

हमारा समाचार

जालोर । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि भारत का संविधान केवल विधि विशेषज्ञों द्वारा तैयार किया गया एक कानूनी दस्तावेज मात्र नहीं है, बल्कि इसके निर्माण में वेदों के ज्ञाता, विज्ञान की गहरी समझ रखने वाले तथा उच्च बौद्धिक क्षमता से संपन्न विद्वानों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। इन सभी का एकमात्र उद्देश्य संविधान के माध्यम से समाज और राष्ट्र की जशा एवं दिशा को सुदृढ़ रूप से निर्धारित करना था। उन्होंने कहा कि संविधान के 75 वर्ष पूर्ण होना राष्ट्र के लिए आत्मावलोकन और आत्ममंथन का अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर है। रविवार को बालोतरा-नाकोड़ा स्थित लालबाग रिजॉर्ट के बौद्धिक पांडाल में आयोजित अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के तीन दिवसीय 17वें राष्ट्रीय अधिवेशन के समापन समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित कर रहे थे। अरुण कुमार ने कहा कि भारतीय संविधान मूल रूप से एक लिखित दस्तावेज अवश्य है, किंतु उसकी वास्तविक शक्ति उसके प्रावधानों तक सीमित नहीं है। संविधान भारत की सामूहिक चेतना, ऐतिहासिक अनुभवों, सांस्कृतिक मूल्यों और राष्ट्रीय संकल्पों का जीवंत प्रतिबिंब है। जब तक संविधान को केवल कानूनी प्रावधानों के रूप में देखा जाएगा, तब तक उसका उद्देश्य अधूरा रहेगा। इसे राष्ट्र की सामूहिक चेतना और जीवन-दृष्टि के रूप में आत्मसात करना ही उसकी सच्ची सार्थकता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का मूल ध्येय आरंभ से ही व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण रहा है। प्रत्येक नागरिक के भीतर विशुद्ध राष्ट्रभक्ति का भाव होना चाहिए। सच्चा देशभक्त वही है, जिसके जीवन का मूल मंत्र ‘राष्ट्र प्रथम’ हो। स्वतंत्रता संग्राम का उल्लेख करते हुए अरुण कुमार ने कहा कि भारत को स्वतंत्रता प्राप्त करने में लगभग एक हजार वर्षों का



लंबा संघर्ष करना पड़ा। इसके लिए केवल बाहरी शक्तियों या परिस्थितियों को दोष देने के बजाय हमें आत्मावलोकन करना चाहिए, क्योंकि कहीं न कहीं कमियां हमारे भीतर भी रही हैं। आत्ममंथन से ही राष्ट्र का वैचारिक, सामाजिक और नैतिक पुनर्निर्माण संभव है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् न्यायिक क्षेत्र में राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखकर कार्य कर रही है। परिषद् से जुड़े सभी अधिवक्ताओं का एक ही ध्येय है, ‘राष्ट्र सर्वोपरि’। अधिवक्ताओं की भूमिका केवल न्यायालयों तक सीमित नहीं है, बल्कि वे समाज को दिशा देने और राष्ट्रीय चेतना को सुदृढ़ करने में भी अहम भूमिका निभाते हैं। कांस्टीट्यूशनल मोरालिटी और सिलेक्टिव पीआईएल को प्रवृत्तियों पर टिप्पणी करते हुए

उन्होंने कहा कि इनका दुरुपयोग सशक्त सामाजिक ढांचे को कमजोर करने और समाज में विभाजन उत्पन्न करने का कार्य करता है। उन्होंने कहा कि न्यायिक प्रक्रियाओं में संतुलन, संवेदनशीलता और राष्ट्रहित का समन्वय अत्यंत आवश्यक है। अरुण कुमार ने कहा कि अधिवक्ता परिषद से जुड़े प्रत्येक अधिवक्ता का दायित्व है कि वह संविधान को उसकी मूल भावना और आत्मा के अनुरूप लागू कराने में सक्रिय भूमिका निभाए तथा न्यायिक क्षेत्र में जनहित से जुड़े विषयों पर अग्रणी नेतृत्व प्रदान करें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारत कोई नया राष्ट्र नहीं है, बल्कि यह हजारों वर्षों से चली आ रही एक सतत, जीवंत और समृद्ध सभ्यता की निरंतर यात्रा का नाम है। समारोप समारोह में विशिष्ट अतिथि

के रूप में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. श्रीनिवास मुर्ति, उत्तर क्षेत्रीय राष्ट्रीय संगठन मंत्री श्रीहरि राव बोरिकर तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मीरा ताई खड्कर मंचासीन रहे। कार्यक्रम के प्रारंभ में हिमाचल प्रदेश के युवा अधिवक्ता द्वारा प्रस्तुत एकल गीत ‘तन समर्पित मन समर्पित’ ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कर दिया। आयोजन समिति की ओर से मुख्य वक्ता अरुण कुमार का शॉल ओढ़कर एवं स्मृति-चिह्न भेंट कर अभिनन्दन किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। कार्यक्रम का संचालन चरण सिंह त्यागी ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के राजस्थान क्षेत्रीय प्रचारक निंबाराम, जोधपुर के सह प्रांत प्रचारक राजेश, बाड़मेर विभाग संघ

चालक मनोहर, विभाग प्रचारक जगदीश, जोधपुर विभाग कार्यवाह मनोहर सिंह तथा क्षेत्रीय प्रचारक प्रमुख श्रीवर्धन उपस्थित रहे। यह भी रहे मौजूद कार्यक्रम में अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर. राजेंद्रन एवं सत्यप्रकाश, राष्ट्रीय सचिव विक्रम दुबे,रणवीर सिंह खड्काली, जोधपुर प्रांत अध्यक्ष सुनील जोशी, प्रांत महामंत्री श्याम पालीवाल, अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार एवं श्याम लादरेचा, जोनल सेक्रेटरी कमल परसवाल, कोषाध्यक्ष कमलेश रावल, जोधपुर महानगर के मुकेश रावल, देवेन्द्र खत्री, महानगर महामंत्री देवकीनन्दन व्यास सहित देशभर से आए अनेक वरिष्ठ अधिवक्ता उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त बार काउंसिल सदस्य, विभिन्न जिला एवं राज्य बार एसोसिएशन के पदाधिकारी तथा राजस्थान सहित देश के विभिन्न राज्यों से पधारे बड़ी संख्या में अधिवक्तागणों की गरिमायसी उपस्थिति रही, जिसने अधिवेशन को वैचारिक ऊंचाई और राष्ट्रीय चेतना से ओतप्रोत कर दिया। समारोप सत्र में हुआ कार्यक्रमतों का सम्मान अधिवेशन के अंतिम यानी समारोप सत्र के दौरान अधिवेशन की तैयारियों एवं आयोजन को सफल बनाने के लिए कार्य करने वाले सभी कार्यकर्ताओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विभिन्न समितियों के संयोजक एवं सह-संयोजकों सहित सभी सदस्यों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सम्मानित की गई समितियों में पंजीयन समिति, किट समिति, स्वागत समिति, मुख्य मंच एवं पार्श्व मंच समिति, आवास समिति, भोजन समिति, फ्लैक्स एवं पेंटिंग समिति, सैनिटेशन समिति, डेटा कलेक्शन समिति, फाइनेंस समिति, सीटिंग अरेंजमेंट समिति, वाटर एवं इलेक्ट्रिसिटी समिति, पार्किंग समिति, प्रेस एवं पब्लिक रिलेशन समिति, ट्रांसपोर्ट समिति एवं कल्चरल समिति शामिल रहीं। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में योगदान देने वाले चिकित्सा अधिकारियों, पत्रकारों, व्यवस्थापकों, पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों, नगर परिषद एवं जिला प्रशासन के अधिकारियों तथा विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करने वाले सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार एवं

सराहना व्यक्त की गई। वक्ताओं ने कहा कि सभी समितियों और कार्यकर्ताओं के समन्वित प्रयासों से ही अधिवेशन का आयोजन सुस्यवस्थित, सफल और यादगार बन सका। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों द्वारा सभी सहयोगियों को धन्यवाद ज्ञापित किया गया। न्याय व्यवस्था को मजबूत बनाने का प्रस्ताव पारित अधिवेशन के मीडिया समन्वयक देवकीनंदन व्यास ने बताया कि अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् के राष्ट्रीय अधिवेशन के तीसरे और अंतिम दिन समारोप सत्र से पूर्व राष्ट्रीय स्तर पर न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए प्रस्ताव पारित किया गया। इस दौरान देश भर से आए हुए प्रतिभागियों ने अपने सुझाव दिए और इसके आधार पर देश में न्याय व्यवस्था को मजबूत करने के लिए समयबद्ध न्यायिक नियुक्तियों की आवश्यकता महसूस की गई। प्रस्ताव में उच्च न्यायालयों में न्यायाधीशों की भारी कमी और नियुक्तियों में देरी पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई एवं न्यायालयों में रिक्तियां भरने हेतु केंद्र व राज्य सरकार तथा अन्य उचित मध्यमों से मांग उठाने का निर्णय किया गया। प्रस्ताव में चिंता व्यक्त की गई कि न्यायालयों में लंबित प्रकरणों के कारण आम नागरिक, विशेषकर गरीब व वंचित वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं। यह स्थिति न्याय तक पहुँच के अधिकार और संविधान के अनुच्छेद 21 के अंतर्गत त्वरित न्याय के सिद्धांत के विपरीत है। अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद् का मत है कि न्यायिक पदों को समय पर न भरना संस्थागत दक्षता को कमजोर करता है, कानून के शासन को नुकसान पहुँचाता है और न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता को खतरे में डालता है। इस परिस्थिति को सुधारने के लिए समयबद्ध न्यायिक नियुक्तियों की अत्यंत आवश्यकता है। अतः न्यायिक नियुक्तियां करने, न्यायिक शक्ति बनाए रखने और प्रत्येक नागरिक को सुलभ, प्रभावी व समय पर न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाने का प्रस्ताव पारित किया गया।

श्री बालाजी सोशल ग्रुप ने किया पोष बढ़ा प्रसादी आयोजन



हमारा समाचार

जयपुर। श्री बालाजी सोशल ग्रुप की ओर से निवारू रोड स्थित कमल ट्रांसपोर्ट कंपनी परिसर में पोष बढ़ा प्रसादी का भव्य आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रद्धा, सेवा और सामाजिक समरसता के भाव के साथ संपन्न हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और समाजजनों ने भाग लिया। कार्यक्रम के आयोजकों में संरक्षक रतन गोयल, अध्यक्ष सूरजमल सैनी, मदनलाल शर्मा रहे। आयोजन में समाजसेवी भवानीमल अजमेरा, समाजसेवी ललित अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, गोकुलचंद शर्मा, अंतरराष्ट्रीय कवि अब्दुल अयूब भाई गोरी, महेश कुमार सैनी, एडवोकेट कमल किशोर सैनी, एडवोकेट रामराज चौधरी, पत्रकार नितेश शर्मा, पत्रकार नवीन मंडेला सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहयोग प्रदान किया। आयोजकों ने बताया कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों से समाज में सेवा भावना, आपसी भाईचारा और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा मिलता है। श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण कर आयोजन की सराहना की।

सत्यनारायण यादव एडवोकेट बने काउंसिल आफ राजस्थान का सदस्य मिठाई बांटकर मनाई खुशियां



हमारा समाचार

नीमकाथाना । सत्यनारायण यादव एडवोकेट को बार कौंसिल ऑफ राजस्थान का सदस्य मनोनीत किया गया। इस खुशी पर हर्ष और उल्लास के साथ अनेक लोगों ने बधाइयां दी और मिठाई बांटकर खुशियां मनाई।यादव अभिभाषक संघ नीमकाथाना से 7 बार अभिभाषक संघ के अध्यक्ष भी रहे है। इनकी ईमानदारी, बुद्धिजीवी एवं पारदर्शिता के साथ रहने पर ही इनको सफलताएँ मिली है।

सेवा को ही धर्म मानते हैं स्टेशन अधीक्षक आर. एस. मीणा

जीवन में हमेशा चले हैं सत्य मार्ग पर

हमारा समाचार

नीमकाथाना। रेलवे स्टेशन के अधीक्षक रामस्वरूप मीणा 37 वर्षों की गौरवपूर्ण सेवा के उपरांत 31 दिसंबर को राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो रहे हैं। मीणा का जन्म 23 दिसंबर 1965 को ग्राम क्यारा, पोस्ट कारोड़ा, वाया बड़ौद (अलवर) में धर्मपरायण पिता रामजीलाल मीणा एवं माता कस्तूरी देवी के यहां हुआ। उन्होंने 1982 से 1988 तक शिक्षा पूरी की और 19 फरवरी 1988 को राजकीय सेवा में प्रवेश किया। अपने लंबे करियर के दौरान मीणा ने हमेशा कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन, यात्रियों की सुविधा और कर्मचारियों के साथ सौहार्दपूर्ण समन्वय को प्राथमिकता दी। उन्होंने स्टेशन की स्वच्छता, हरित वातावरण, पौधारोपण, जल संरक्षण और पर्यावरण जागरूकता में भी सक्रिय योगदान दिया। श्री मीणा समय के पाबंद, कर्मठ एवं विनम्र स्वभाव के रहे हैं। उनका मानना है कि ‘सेवानिवृत्ति पद से होती है, सेवा से नहीं।’ भविष्य में भी वे राष्ट्रहित एवं समाज सेवा में सक्रिय रहेंगे। गीता के श्लोक ‘यत्र योगेश्वरः कृष्णो यत्र पाथों



धनुर्धरः। तत्र श्रीविंजयो भूतिर्धरुवा नीतिर्मतिर्मम॥.’ के अनुसार, उनके व्यक्तित्व में सदैव सत्य, धर्म और सेवा भाव प्रमुख रहे

हैं। रामस्वरूप मीणा का समर्पण और अनुशासन रेलवे विभाग और आम जनता के लिए हमेशा प्रेरणास्रोत रहेगा।

केकड़ी जिला बहाली को लेकर मांग निरंतर जारी



हमारा समाचार

केकड़ी । आज केकड़ी जिला बनाओ अभियान के अंतर्गत केकड़ी जिला हटाने की पहली बरसी पर केकड़ी जिला बार एसोसिएशन द्वारा धरना प्रदर्शन कर केकड़ी को फिर से जिला बनाने की पुरजोर और मांग की गई। इस दौरान मौजूद अधिवक्ता गणों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि एक ही पार्टी की सरकार दो राज्य में अलग-अलग मापदंड रखते हुए राजस्थान

में बने जिलों को दुष्परिणाम बता कर हटा दिया गया है, वही हाल ही में दिल्ली सरकार द्वारा आमजन को माइक्रो लेवल पर सुगम प्रशासन सुविधा उपलब्ध कराने हेतु तीन नए जिले बनाकर अपना दोहरा चरित्र उजागर किया है। केकड़ी में माह के अंतिम रविवार के दिन अवकाश के बावजूद अधिवक्ताओं ने अपना विरोध जारी रखते हुए जिला हटाने की पहली बरसी मनाई गई, साथ ही केकड़ी को जिला नहीं बनने पर

आने वाले समय में इस कार्यक्रम को और बड़े स्तर पर करने का आह्वान प्रण लिया। इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता लक्ष्मी चंद मीणा, रवि शंकर पवार, रामेश्वर प्रसाद कुमावत, आदिल कुरेशी, आदित्य भान सिंह राठौड़, रविद्र मेवाड़ा, सुनील कुमार जैन, मुंशी राधेश्याम कुमावत, टाडिपिस्ट मोन् शर्मा, प्रहलाद वर्मा, रोहिंदर सिंह चौहान सहित कई अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

थानागाजी में सैनी समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह



हमारा समाचार

थानागाजी। महात्मा ज्योतिबा फुले जागृति संस्थान के तत्वाधान में कोहिनूर गार्डन में सैनी समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। समारोह में 350 प्रतिभाग्यों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में केबिनेट मंत्री अविनाश गहलोत और अध्यक्षता विधायक भागचंद टांकड़ा ने की। मुख्य अतिथि अविनाश गहलोत ने कहा कि महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले के आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से सशक्त बनाना चाहिए। उन्होंने बेटियों की शिक्षा पर जोर दिया और बताया कि 11 अप्रैल 2026 को पूरे देश में फुले दिवस मनाया जाएगा। विधायक भागचंद टांकड़ा ने कहा कि ऐसे सामाजिक आयोजन समाज की प्रतिभाओं को उभरने का अवसर देते हैं। कार्यक्रम के संयोजक निर्मल सैनी ने सभी अतिथियों और समाज के सदस्यों का धन्यवाद और आभार व्यक्त किया। पुलिस का एक्शन देखने के लिए ब्लास्ट की धमकी दी:कॉल कर बोला- जयपुर जंक्शन, वैशाली नगर में बम धमाके होंगे; होटल का वेंटर गिरफ्तार

हमारा समाचार

जयपुर। जयपुर रेलवे स्टेशन, वैशाली नगर और सांगानेर के आनंद विहार में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी एक होटल में वेंटर है। उसने पुलिस की कार्रवाई देखने के लिए शराब के नशे में कंट्रोल रूम में कॉल कर धमकी दी थी। आरोपी ने कॉल कर कहा था कि सांगानेर के आनंद विहार में बम फटेगा, उसके बाद जयपुर जंक्शन और वैशाली नगर में बम ब्लास्ट होगा। SHO (सांगानेर) लिखमराम ने बताया- बम ब्लास्ट की धमकी देने के मामले में आरोपी रवि मीणा (28) निवासी बलोनी, सपोटरा (करौली) को अरेस्ट किया है। उसने बेचलर ऑफ आर्ट्स डिग्री कर रखी है। पहले गुजरात में टाइल लगाने का काम करता था। इसके बाद सांगानेर के आनंद विहार स्थित होटल रघुकुल में वेंटर का काम करने लग गया। पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर दी धमकी SHO ने बताया- शनिवार-रविवार की रात करीब 3:17 बजे जयपुर पुलिस कंट्रोल रूम को युवक ने कॉल किया। कॉल कर धमकी दी कि सांगानेर स्थित आनंद विहार में बम ब्लास्ट होगा। उसके बाद जयपुर जंक्शन और वैशाली नगर जयपुर में भी बम ब्लास्ट होगा। धमकी भरे कॉल के बाद पुलिस ने सांगानेर के आनंद विहार स्थित भीड़भाड़ वाली जगहों को खाली करवाया।लिखमराम ने बताया- मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम होटल रघुकुल में पहुंची। मोबाइल नंबर के आधार पर होटल वेंटर रवि मीणा की पहचान भी हो गई। पुलिस टीम को देखकर रवि मीणा ने होटल के पिछले गेट से भागने की कोशिश की। पुलिस टीम ने पीछ कर होटल से महज 100 मीटर दूर रवि मीणा को दबोच लिया।

जन्मदिन पर सुरपुरा की सोच ने सींचा ‘जनविश्वास’.. दिया स्पष्ट विजन; राजनीति नहीं, जनसेवा प्राथमिकता!

जन्मदिन पर बधाइयां देने जनसैलाब, झोटवाड़ा की सियासत में उभरी जनसेवा की नई परिभाषा

समाज के हर वर्ग की मौजूदगी ने बदला कार्यक्रम का मिजाज

जन्मदिन पर राजनीति नहीं बल्कि जिम्मेदारी का ऐलान, 101 बेटीयों के संकल्प ने छुआ हर दिल

फार्म हाउस नहीं बल्कि जनभावनाओं का मंच बना आयोजन



हमारा समाचार

जोबनेर। झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के चर्चित समाजसेवी आशुसिंह सुरपुरा का जन्मदिन इस बार एक सामान्य आयोजन न रहकर जनसेवा, सामाजिक संकल्प और भावी राजनीति के स्पष्ट संकेत के रूप में सामने आया। जोबनेर रोड स्थित टोल नागा बस्सी पर उनके फार्म हाउस पर आयोजित कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों से आए बुजुर्गों, युवाओं, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों एवं शुभचिंतकों ने बड़ी संख्या में पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। उत्साह और अपनत्व से भरे इस आयोजन में समर्थकों

ने माल्यार्पण कर केक कटवाया, वहीं पूरे माहौल में जनविश्वास और भावनात्मक जुड़ाव साफ झलकता नजर आया। इस अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए आशुसिंह सुरपुरा ने कहा कि उनका उद्देश्य राजनीति करना नहीं, बल्कि निस्वार्थ जनसेवा करना है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि राजनीति उनके लिए सत्ता का साधन नहीं, बल्कि एक ऐसा बड़ा प्लेटफार्म है जिसके माध्यम से समाज के अधिक से अधिक लोगों तक सेवा पहुंचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि राजनीति वह माध्यम है जिससे सीधा आमजन से जुड़ाव

होता है और जिस पद पर बैठा व्यक्ति यदि ईमानदारी से कार्य करे तो अपनी कलम की ताकत से दस गुना अधिक जनकल्याण कर सकता है। अपने जन्मदिन के अवसर पर सुरपुरा ने एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील घोषणा करते हुए ऐसी 101 निर्धन एवं बेसहारा कन्याओं, जिनके माता-पिता का देहांत हो चुका है, उनके विवाह कराने और उनकी पूरी शिक्षा की जिम्मेदारी लेने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 2010 से वैशाली नगर स्थित सुरमन संस्थान से जुड़े हुए हैं, जिसका संचालन मनन दीदी द्वारा किया जा रहा है। उस समय संस्थान में

झोटवाड़ा में मूलभूत सुविधाओं का अभाव, मौजूदा जनप्रतिनिधियों ने भुलाए जनहित के मुद्दे

सुरपुरा ने झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही सड़क, पेयजल और मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि वोट में अपार शक्ति होती है, जिससे जनता किसी जनप्रतिनिधि को पांच वर्षों तक अपने विश्वास की बुनियाद बनने का अवसर देती है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश कई बार जनता जनसेवक को छोड़कर केवल नेता को चुन लेती है, जिससे जनहित से जुड़े मुद्दे पीछे छूट जाते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वे विधायक बनें या न बनें, लेकिन उनकी प्रार्थना यही है कि ईश्वर उन्हें इतनी शक्ति दे कि वे जीवनभर लोगों की निस्वार्थ सेवा करते रहें। अपने संबोधन में सुरपुरा ने यह विश्वास भी जताया कि यदि जनता ने उन्हें एक बार मौका दिया तो वे ऐसा काम करेंगे कि दोबारा वोट मांगने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सुरपुरा ने युवाओं को दिया नशे से दूर रहने का संदेश, समाज निर्माण की दिशा में बढ़ने का आह्वान

कार्यक्रम के दौरान उन्होंने युवाओं को विशेष संदेश देते हुए बढ़ते नशे पर चिंता जताई और युवाओं से नशे से दूर रहकर शिक्षा, संस्कार और समाज निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। पूरे कार्यक्रम में जिस तरह से समाज के हर वर्ग की भागीदारी देखने को मिली, उससे यह साफ संकेत मिला कि आशुसिंह सुरपुरा की जनसेवा आधारित सोच और सामाजिक प्रतिबद्धता झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र में भविष्य की राजनीति की एक नई तस्वीर पेश कर रही है।

मात्र 18 बच्चियां थीं, लेकिन आज यह संख्या बढ़कर लगभग 65 तक पहुंच चुकी है। ये सभी बच्चियां ऐसी हैं जिनके माता-पिता का कोई अता-पता नहीं है। इसी संस्थान से मिली

जन्मदिन पर विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज ने किए श्री कल्याण धणी के दर्शन, हुआ भव्य स्वागत



हमारा समाचार

जयपुर। हवामहल विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं बालाजी मंदिर हाथोज धाम के महंत बालमुकुंदाचार्य महाराज ने रविवार को अपने जन्मदिन के अवसर पर कालवाड़ रोड हाथोज स्थित अति प्राचीन श्री कल्याण मंदिर पहुंचकर श्री कल्याण धणी श्रीजी महाराज के दर्शन कर देश एवं प्रदेश की खुशहाली की कामना की। इस शुभअवसर पर श्री कल्याण मंदिर के वरिष्ठ पुजारी पं. रमेश वशिष्ठ ने बालमुकुंदाचार्य महाराज का जन्मदिन की बधाई देते हुए मां कामाख्या देवी की पावन चुनरी ओढ़ाकर अशीर्वाद दिया। मंदिर के

पुजारी पं. नरेंद्र वशिष्ठ एवं पं. नीरज वशिष्ठ ने महाराज को जन्मदिन पर बधाई देते हुए उनकी शॉल ओढ़ाकर एवं माला पहनाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तिभाव, श्रद्धा और उत्साह का माहौल रहा। इस अवसर पर उपस्थित पंस सदस्य मुकेश शर्मा, घनश्याम शर्मा, ओमप्रकाश स्वामी, संजीव अग्रवाल, गिरीराज, गौड़ल, मुल्तान सिंह, शम्भू सिंह, प्रेमराज स्वामी, मूलचंद शर्मा आदि उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों ने महाराज को जयपुर के आराध्यदेव गोविंददेवजी की फोटो भेंट कर जन्मदिन की बधाई दी।

समाचार पत्र वितरकों ने मनाया विधायक बालमुकुंदाचार्य का जन्मदिन, गौशाला में की गौसेवा

हमारा समाचार

जयपुर। रविवार को हाथोज धाम महंत एवं हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज का जन्मदिन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। सुबह सभी समाचार पत्र वितरक दक्षिण मुखी बालाजी धाम पर गए और बालमुकुंदाचार्य को माला-गुलदस्ता भेंट किया। उसके बाद सभी गौशाला गए और गौ माला को चारा खिलाया। महाराज ने सभी हॉर्कर्स का मान-सम्मान किया। इस अवसर पर अनिल यादव, राजेंद्र चारण, सन्तोष शैतान, नरेन्द्र प्रताप, सत्य-स्वरूप, तनुज विजय, छीतर, गजेन्द्र, रमेश, विक्रम, लक्की,



मेघराज, सुनिल यादव, भवानी सिंह आदि मौजूद रहे।

एयू बैंक ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल, हेलमेट वितरित कर दिया सड़क सुरक्षा का संदेश

हमारा समाचार

जयपुर। शीत ऋतु को देखते हुए एयू स्मॉल फाइंस बैंक द्वारा सामाजिक दायित्व के तहत सिंवार मोड़ क्षेत्र में 100 जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम का उद्देश्य ठंड से राहत पहुंचाना और समाज के कमजोर वर्गों की सहायता करना रहा। इसी दौरान सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत दोपहिया वाहन चालकों को 50 हेलमेट भी वितरित किए गए।

कार्यक्रम में बिंदायका थाना से पुलिस उपनिरीक्षक गोवर्धन चौधरी एवं एयू बैंक के स्वदेश बैंकिंग हेड सुल्तान सिंह पलसानिया मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अतिथियों ने वृद्धजनों व जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण कर सेवा कार्य को आगे बढ़ाया और लोगों से यातायात नियमों के पालन की अपील की। इस अवसर पर पार्षद प्रतिनिधि सुनील घोंसल्या, वीर तेजा समिति अध्यक्ष, सहकारी समिति अध्यक्ष जीवन मावलिंया, मदन बुरी, रामनिवास मावलिंया, शिशुपाल ताखर, सूरजमल मावलिंया, लालाराम लाम्बा, सोहन वर्मा, भंवर दादरवाल, लादूराम देगड़ा, विजयलाल कुडी, श्रीपाल मीणा, रामकुंवर बुरी, मदन मावलिंया सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सुल्तान सिंह पलसानिया ने कहा कि एयू बैंक



समय-समय पर सेवा एवं जागरूकता संबंधी कार्यक्रम आयोजित करता रहता है, ताकि समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुंच सके। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इससे जहां जरूरतमंदों को ठंड से राहत मिलेगी, वहीं

सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता भी बढ़ेगी। इसी दौरान भोजपुरा कला में भी 100 गरीब एवं जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ

दहमीकलां में भाजपा की एसआईआर कार्यशाला आयोजित, विधायक डॉ. वर्मा ने किया सक्रिय सहभागिता का आह्वान



हमारा समाचार

बगरू। रविवार को बगरू विधानसभा क्षेत्र के दहमीकलां में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित विशेष गहन पुनरीक्षण बीएलओ-2 कार्यशाला में बगरू विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने सहभागिता की। कार्यशाला के दौरान उन्होंने बीएलओ-2 की भूमिका, जिम्मेदारियों एवं निर्वाचन प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। इस अवसर पर विधायक डॉ. कैलाश वर्मा ने कार्यकर्ताओं के साथ यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकप्रिय कार्यक्रम मन की बात को सुना। प्रधानमंत्री के राष्ट्रपति, जनभागीदारी और आत्मनिर्भर भारत से जुड़े विचारों को सुनते हुए सभी कार्यकर्ताओं ने देश के सर्वांगीण विकास में संचित य भूमिका निभाने का संकल्प लिया। डॉ. वर्मा ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती में पार्टी कार्यकर्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे अभियानों के माध्यम से मतदाता सूची को सशक्त एवं पारदर्शी बनाया जा सकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठनात्मक मजबूती के साथ जनसेवा के कार्यों में निरंतर सक्रिय रहने का आह्वान किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधिगण, मंडल अध्यक्षगण, पार्टी पदाधिकारी, कार्यक्रम संयोजक व सहसंयोजक, बीएलओ-2 सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया गया

केकड़ी। पटेल मैदान स्थित कांग्रेस कार्यालय में रविवार को ब्लॉक एवं शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में कांग्रेस का 141वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कांग्रेस के इतिहास, विचारधारा और देश के लिए किए गए योगदान को याद किया गया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के वरिष्ठ कांग्रेसी नेताओं नाथूजी उस्ताद, रामलालजी कटारिया, रमेशजी पारिक एवं इकरामजी का साफा पहनाकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। वक्ताओं ने उनके संगठन के प्रति समर्पण और संघर्षों की सराहना की।

समारोह में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष शैलेन्द्र सिंह शक्तावल, सरवाड़ ब्लॉक

कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्यामलाल बैरवा, केकड़ी शहर कांग्रेस अध्यक्ष हेमंत जैन, केकड़ी नगर पालिका अध्यक्ष कमलेश साहू, रतन पंवार, पार्षद रमाकांत दाधीच, पूर्व सहवरण सदस्य रोहित सिंह चौहान, मुकेश विजयवर्गीय, धन्नालाल डसानिया, राजेश मेघवशी, गोमा जाट, सरवाड़ ब्लॉक महिला अध्यक्ष धीरज खोंगी, दीपक, राहुलकांत बोयत सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा लोकतंत्र, संविधान और आमजन के अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष किया है। स्थापना दिवस के अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने संगठन को और मजबूत करने तथा जनसेवा के संकल्प को दोहराया।



शोक – सन्देश

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारे पूज्यनीय पिता जी श्री रामचन्द्र जी सारण का स्वर्गवास दिनांक 27 दिसम्बर 2025 को हो गया है जिनका हरिकिर्तन मंगलवार दिनांक 06 जनवरी 2026 को व पगड़ी रस्म व शिशी पूजन बुधवार, दिनांक 07 जनवरी 2026 को रखा गया है।अतः आप सभी आमत्रित है।

तीये कि बैठक सोमवार 29-12-2025 शाम 4 से 5 बजें

शोकाकुल परिवार :

रामकरण, गोपाल, बनवारी, हरफूल, भंवर (भाई) बाबू लाल, प्रेमप्रकाश, ओमप्रकाश (पुत्र)

लालाराम, भंवर, मुकेश, नानूराम, राजेश, सत्यनारायण, विष्णु, विककी (भतीजे) अनिकेत, अर्कित, चेतन, राहुल अनुश, अनिल, अभिषेक, यावेश, लोकेश (पौत्र) एवं समस्त सारण परिवार

निवास स्थान :-सारणों की ढाणी किशोरपुरा रोड़, हाथोज, जयपुर

मो. 9928456946, 9314444808, 9929535445